आर.एन.आई. नं. 37109/81 कोड संख्या DELHIN/11312 पृष्ट 12 मूल्य: 2 ₹

डी. एल. (ई) 01/5155/2021-23
यू. (ई).11/2021-23 Posted at DRMS Delhi-6

www.rashtratimes.com • rashtratimes • email: rashtratimesnewspaper@gmail. com

हरियाणा-जम्मू कश्मीर में कांग्रेस की सरकार

दिल्ली से प्रकाशित स्वतंत्र विचारों का सबसे बड़ा साप्ताहिक

राष्ट्र टाइम्स

संपादक: विजय शंकर चतुर्वेदी

वर्ष: 44 ● अंक: 40 ● नई दिल्ली ● 06 से 12 अक्तूबर 2024

चुनावी बॉन्ड :सुप्रीम कोर्ट ने पुनर्विचार की मांग करने वाली याचिका की खारिज

सुप्रीम कोर्ट ने चुनावी बॉन्ड स्कीम को असंवैधानिक करार देते हुए संविधान बेंच के फैसले की पुनर्विचार की मांग करने वाली याचिका खारिज कर दी है। सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने एडवोकेट मैथ्यूज नेदुम्परा और अन्य की ओर से दायर पुनर्विचार याचिका खारिज की। बेंच ने कहा, पुनर्विचार याचिकाओं का अवलोकन करने के बाद रिकॉर्ड में कोई त्रुटि नहीं दिखाई देती। इसलिए पुनर्विचार याचिकाओं को खारिज किया जाता है। 15 फरवरी को सुप्रीम कोर्ट की संविधान बेंच ने इलेक्टोरल बॉन्ड योजना को असंवैधानिक करार देते हुए इसे रद्द कर दिया था।

अदालत ने एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स बनाम यूनियन ऑफ इंडिया मामले में वित्त अधिनियम, जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, कंपनी अधिनियम और आयकर अधिनियम में किए गए 2018 संशोधनों को खारिज कर दिया था। अदालत ने कहा था कि राजनीतिक दलों के वित्तपोषण के स्रोत के बारे में जानने का मौलिक अधिकार है। इस योजना ने उस अधिकार का उल्लंघन किया।

॥ विजयशंकर चतुर्वेदी ॥

हरियाणा में 90 सीटों के लिए मतदान संपन्न हो गए हैं। ज्यादातर एग्जिट पोल में कांग्रेस के लिए अच्छी खबर है। हालांकि कई एग्जिट पोल में भाजपा और कांग्रेस के बीच जबरदस्त टक्कर दिखाई गई है। पीपुल्स पल्स के एग्जिट पोल के आंकड़ों के मुताबिक, कांग्रेस 55 सीटें हासिल करने की राह पर है। इसमें अनुमान लगाया गया है कि भाजपा 26 सीटों (+ या – 6) से पीछे रहेगी, इंडियन नेशनल लोक दल (आईएनएलडी) दो से तीन सीटें, निर्दलीय तीन से पांच सीटें और जननायक जनता पार्टी (जेजेपी) एक सीट जीतेगी।

मैट्रिज-रिपब्लिक का अनुमान है कि हरियाणा में कांग्रेस को 55 से 62 सीटें मिलेंगी। इसके साथ

ही बीजेपी 18-24, जेजेपी 0-3, इनेलो 3-6, अन्य 2-5 सीटों पर जीत हासिल कर सकती है। ध्रुव रिसर्च के मुताबिक कांग्रेस 57-64, बीजेपी 27-32, अन्य 5-8 सीटें हरियाणा में जीत सकती हैं। दैनिक भास्कर के मुताबिक कांग्रेस 44-54, बीजेपी 19-29, जेजेपी 0-1, इनेलो 1-5, अन्य 4-9 सीटें जा सकती है। हरियाणा के सीएम नायब सिंह सैनी ने कहा कि बीजेपी पूर्ण बहुमत की सरकार बनाएगी। हमें पूरा भरोसा है। एग्जिट पोल पर बीजेपी उम्मीदवार अनिल विज ने कहा कि एग्जिट पोल की पोल पहले भी खुल चुकी है। कांग्रेस नेता और पूर्व सीएम भूपिंदर हुडा ने कहा कि मैं यह बात तब से कह रहा हूं जब से हमने प्रचार करना शुरू किया है कि कांग्रेस के पक्ष में लहर है।' कांग्रेस प्रचंड बहुमत के साथ सरकार बनाएगी।

चुनाव आयोग के अनुसार, शाम 5:30 बजे तक अनुमानित

शेष पृष्ठ 2 पर

विपक्ष के झूठे आरोप: इस्तीफा नहीं दूंगा

॥ उमेश जोशी ॥

मुडा मामले को लेकर कर्नाटक में राजनीतिक हलचल तेज है। विपक्ष कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया का इस्तीफा मांग रहा है। इन सबके बीच सिद्धारमैया ने एक बार फिर से दोहरा दिया है कि वह विपक्षी दलों के झूठे आरोपों के आधार पर अपने पद से इस्तीफा नहीं देंगे। उन्होंने कहा कि वह राज्य की जनता के सामने वास्तविक स्थिति रखेंगे। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि यदि विपक्षी दल झूठे आरोपों के आधार पर मेरा इस्तीफा मांगते हैं, तो क्या मुझे इस्तीफा दे देना चाहिए? हम झूठे आरोपों का जवाब देंगे। हम लोगों को सच बताएंगे।

मुडा साइट आवंटन मामला सामने आने के बाद कांग्रेस के भीतर व्यस्त राजनीतिक गतिविधियों, जहां दलित और अनुसूचित जनजाति के नेता बैठक कर रहे थे, पर एक सवाल पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए सिद्धारमैया ने कहा कि लोग अनावश्यक रूप से अटकलें लगा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मंत्री चर्चा करेंगे लेकिन क्या आपको अटकलें लगानी चाहिए? जब राज्य के लोक निर्माण मंत्री सतीश जारकीहोली एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मिलते हैं या विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री एन एस बोसराजू किसी मंत्री से मिलते हैं तो लोग अटकलें लगाते हैं। पहले भी ऐसी बैठकें हुई हैं और अब भी हो रही हैं लेकिन ऐसी अटकलों को बल क्यों मिल रहा है?

लोकायुक्त अधिकारियों ने 14 एमयूडीए भूखंडों का निरीक्षण किया, जिन्हें मुख्यमंत्री सिद्धरमैया की पत्नी पार्वती बी एम को कथित तौर पर अवैध रूप से आवंटित किया गया था। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि मैसुरु शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) और जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ उन्होंने भूखंडों की माप ली। एमयूडीए मामले में शिकायतकताओं में से एक सामाजिक कार्यकर्ता स्नेहमयी कृष्णा भी उपस्थित थे क्योंकि उन्हें भी लोकायुक्त ने बुलाया था। कृष्णा ने यहां संवाददाताओं से कहा, मुझे लोकायुक्त ने 14 भूखंडों के निरीक्षण के लिए बुलाया था।

सौरभ ने पकड़े भाजपा विधायकों के पैर

॥ विनीता यादव ॥

दिल्ली में बस मार्शलों की बहाली को लेकर सियासत तेज है। इस मामले को लेकर हाई बोल्टेज ड्रामा हुआ। कैबिनेट की बैठक में एक नोट पास किया गया था। बस मार्शलों की बहाली के मुद्दे पर भाजपा विधायकों ने आतिशी से मुलाकात की और मुख्यमंत्री ने उनसे एक प्रतिनिधिमंडल में शामिल होने की अपील की जो उनकी मंजूरी के लिए एलजी को नोट सौंपा। हालांकि, इसको लेकर आप बनाम भाजपा भी देखने को मिला। आप का दावा है कि कैबिनेट नोट पास होने के बाद बीजेपी विधायक सचिवालय से भागने लगे। लेकिन मंत्री सौरभ भारद्वाज ने उनके पैर पकड़कर रोका।

इसको लेकर मुख्यमंत्री अतीशी ने कहा कि बीजेपी विधायकों ने मुझसे मिलने के लिए समय मांगा है, हमने उनसे मुलाकात की और उन्हें इस मुद्दे (बस मार्शल के) के बारे में समझाया गया कि यह सेवा मामलों के तहत आता है जो एलजी के नीचे आते हैं। उन्होंने कहा कि बीजेपी की पोल खुल गई क्योंकि हमारी पूरी कैबिनेट वहां थी और हमने स्पष्ट कर दिया कि जो फैसले हमें लेने हैं वो हम लेंगे और बीजेपी को एलजी से उन मामलों पर फैसले लेने के लिए कहना चाहिए जो उनके अधीन आते हैं- बीजेपी उसके लिए तैयार नहीं है, वे इस मुद्दे पर राजनीति कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमने आपातकालीन कैबिनेट कहा बैठक और बस मार्शल को नियमित रूप से दिल्ली विधानसभा द्वारा पारित संकल्प पर हस्ताक्षर किए गए थे। यहां आने के बाद भी, बीजेपी विधायकों को इस कैबिनेट नोट को पारित करने के लिए एलजी से पूछने के लिए तैयार नहीं थे। यह बस मार्शल के खिलाफ एक विश्वासघात है। उन चीजों को किया जाना था कैबिनेट – बस मार्शल और नागरिक रक्षा स्वयंसेवकों को नियमित करने के लिए, किया गया है। अब, बीजेपी को नियमित रूप से उन्हें नियमित करना है और उन्हें पत्र में शामिल होना है।

विजेंद्र गुप्ता ने सीएम से मिलने का समय मांगा है. उन्होंने कहा कि आप (दिल्ली सरकार) कैबिनेट से प्रस्ताव पास कराएं, हम बाकी काम एलजी से कराने देंगे. हमने उनसे कहा था कि यह सेवाओं का मामला है और

शेष पृष्ठ 2 पर

नीतीश कुमार को भारत रत्न देने की उठी मांग

पटना में जनता दल (यूनाइटेड) पार्टी कार्यालय के बाहर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को भारत रत्न से सम्मानित करने की मांग वाले पोस्टर देखे गए। पार्टी के एक नेता छोटू सिंह ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के लिए देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न की मांग वाले पोस्टर लगाने के बाद सुर्खियां बटोरीं। छोटू सिंह ने जदयू कार्यालय सहित पटना में ऐसे पोस्टर चिपकाए, जिसमें पार्टी के अन्य नेताओं और खुद के साथ नीतीश कुमार की प्रमुख तस्वीर थी।

पोस्टर में लिखा था कि बिहार के प्रसिद्ध समाजवादी पुरुष मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को भारत रत्न से सम्मानित किया जाना चाहिए। यह राज्य में उनकी उपलब्धियों और योगदान को उजागर करने के पार्टी के प्रयास को दशार्ता है, खासकर समाजवादी आदर्शों और विकास पर केंद्रित नेता के

शेष पृष्ठ 2 पर

संपादकीय

हजारों करोड़ रुपए खर्च: एनआरसी डिब्बे में बंद

भारत के असम राज्य के दो जिलों के नागरिकों का राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर बनाने का फैसला हुआ था। दो जिलों में जो 19 लाख लोग बाहर से आए थे। उनकी नागरिकता के लिए यह प्रक्रिया शुरू की गई थी। केन्द्र सरकार बदलते ही एनआरसी का पूरा स्वरूप ही बदल गया। यह एक राजनीतिक मुद्दा बन गया। केंद्र और राज्य सरकारों के हजारों करोड़ों रुपए इस प्रक्रिया में खर्च हुए। दो जिलों के स्थान पर सारे असम राज्य के लाखों परिवारों को इसकी वेदना सहनी पड़ी। दस्तावेज जुटाने के लिए दस्तावेजों की फोटो कॉपी कराने और अपने आप को नागरिक बताने के लिए लाखों लोग 2 साल से अधिक परेशान हुए। करीब 25 लाख दस्तावेजों का वेरिफिकेशन किया गया। सरकारी अमले ने घर-घर जाकर 25 लाख घरों में जाकर दस्तावेजों को जांचा गया। 13.18 लाख लोगों को एनआरसी के रजिस्टर में शामिल किया गया।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर जब फिर इसकी जांच की गई, तो 2346 डेटा की जांच की गई। उसमें 943 डेटा गलत मिले। मई 2021 में सुप्रीम कोर्ट को इसकी जानकारी दी गई। उसके बाद से ही मामला ठंडा पड़ा हुआ है।

असम के 68 लाख परिवारों ने नागरिकता के लिए फॉर्म भरे। 10 लाख लोगों के परिवार की फैमिली ट्री का सत्यापन किया गया। आस पड़ोस के लोग यदि एक दूसरे को नहीं पहचानते थे, तो उनके नाम खारिज कर दिए गए। उन्हें संदिग्ध माना गया। 68 लाख लोगों में से 27 लाख लोगों को रिजेक्ट कर दिया गया था। जिसमें एक सांसद का परिवार भी था।

केंद्र और असम की राज्य सरकार ने राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर को लेकर खूब हंगामा किया। संसद में नया कानून बनाने के पहले और बाद में लगातार राजनीति होती रही। सरकारी खजाने से हजारों करोड़ों रुपए खर्च हो गए। 68 लाख परिवारों के हजारों रुपए हर परिवार के खर्च हुए। लाखों लोगों को परेशानी में डालने के बाद भी कुछ भी हासिल नहीं हुआ। जहां से यह मामला शुरू हुआ था, वहीं पर आज भी वहीं अटका हुआ है।

कैग रिपोर्ट में 260 करोड़ का घोटाला

2020 में कैग ने इस सारे मामले का ऑडिट किया। डाटा एंट्री ऑपरेटर की तनख्वाह 14500 प्रति ऑपरेटर तय थी। सरकारी रिकॉर्ड में 9000 ऑपरेटर नियुक्त किए गए थे। उन्हें 5500 प्रति ऑपरेटर भुगतान किया गया। केग की रिपोर्ट के अनुसार इसमें 260 करोड रुपए का घोटाला हुआ। इसके अलावा अन्य सर्वेक्षण और कार्यों में सैकड़ों करोड़ रुपए खर्च में घोटाले किए गए। शासकीय स्तर पर लाखों दस्तावेजों का डिजिटाइजेशन कराया गया। हजारों कर्मचारियों को कई महीने तक घर-घर जाकर जांच के कार्य में लगाया गया था। इसमें बड़े पैमाने पर सरकारी धन खर्च किया गया।

सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर नवंबर 2019 में स्टेट कोऑर्डिनेटर प्रतीक हजेला को मध्य प्रदेश सरकार के पास डेपुटेशन पर भेज दिया गया। 24 दिसंबर 2019 को हितेश देव सरमा को स्टेट कोआर्डिनेटर बनाया गया। जब उन्होंने जांच की तो उसमें भी भारी गड़बड़ियां पाई गई। जिसके कारण आज तक रिजेक्शन स्लिप के बारे में कोई निर्णय नहीं लिया जा सका। जुलाई 2022 में वह भी सेवा निवृत हो गए। उसके बाद इसकी जिम्मेदारी गृह सचिव मजूमदार के पास आई। उन्होंने इस मामले में कोई रुचि नहीं ली। असम सरकार ने भी यह मामला ठंडा बस्ते में डाल दिया है. सरकार जानकारी देने से भी बच रही है।

एनआरसी रजिस्टर का मामला ठंडा पड़ने के बाद पिछले कुछ समय से लाखों लोगों के नाम असम की मतदाता सूची में जोड़े जा रहे हैं। नए आधार कार्ड भी बनाए जा रहे है। सरकार की योजनाओं का लाभ भी दिया जा रहा है। हजारों करोड रुपए खर्च हो जाने और लाखों परिवार कई वर्षों तक प्रताड़ित करने के बाद असम में पुरानी स्थिति बनी हुई है। इसके लिए किसे जिम्मेदार माना जाए। यहां की जनता को यह समझ में नहीं आ रहा है। अभी भी प्रताणना और राजनीति से एक वर्ग नारकीय जीवन जी रहा है।

स्वतंत्रता के पहले 1905 में बड़ी संख्या में अंग्रेजों ने बांग्ला भाषा के लोगों को यहां पर बुलाकर बसाया था। 1951 की जनगणना में इनको शामिल किया गया था। केंद्रीय गृह मंत्रालय के आदेश पर इनका एक अलग रजिस्टर तैयार किया गया था। 1971 में जब भारत और पाकिस्तान के बीच में लड़ाई हुई। तब असम में कुछ बांग्लादेशी शरणार्थी के रूप में आए थे तत्कालीन इंदिरा सरकार ने इन्हें शरण देने का आदेश दिया था। 1985 में हुए असम समझौते में तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी के समय 1971 में जो बांग्लादेशी असम में आकर बसे थे। उन्हें भारत का नागरिक मान लिया गया था। 2010 में प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के कार्यकाल में दो जिलों के लिए एनआरसी पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू किया गया था। 2013 में सुप्रीम कोर्ट के आदेश से यह प्रोजेक्ट पुनः शुरू किया गया। प्रतीक हजेला को प्रोजेक्ट का कोआर्डिनेटर बनाया गया था। 2018 में इसका पहला ड्राफ्ट तैयार हुआ था। इस प्रस्ताव में 40 लाख लोगों को एनआरसी से बाहर कर दिया गया था। जांच के बाद उसके बाद एक सप्लीमेंट्री सूची जारी की गई। जिसमें 19 लाख लोगों को संदिग्ध माना गया उसके बाद से यह मामला ठंडा पड़ा हुआ है। असम में इसको लेकर लगातार राजनीति हो रही है। असम में बांग्ला भाषी नागरिकों के ऊपर हमेशा तलवार लटकती रहती है। भारतीय नागरिक होते हुए भी अधिकांश एक धर्म विशेष के होने के कारण उनके साथ दोयम दर्जे का व्यवहार किया जा रहा है। जिसके कारण असम में राजनीतिक और सामाजिक टकराव बना हुआ है।

1.85 लाख घुसपैठिये घोषित 73 डिटेंशन सेंटर में पिछले 11 वर्षों से यह खेल चल रहा है। असम फॉरेन ट्रिब्यूनल ने 1.85 लाख लोगों को घुसपेठिया घोषित किया गया है। जो डिटेंशन सेंटर बनाये गये थे। अब अधिकांश खाली हो चुके हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार मात्र 73 लोगों को डिटेंशन सेन्टर में रखा गया है। पिछले 9 वर्षों से एनआरसी के नाम पर असम में जो खेल खेला गया है। उसने मानवता को एक तरह से शर्मसार किया है। देश एवं प्रदेश के सरकारी खजाने से हजारों करोड़ रूपया खर्च हो गया। 2 लोकसभा और विधानसभा के चुनाव हो गए। लाखों लोगों के ऊपर अभी भी तलवार लटक रही है। विदेशी घुसपेठियों का मामला अभी भी वैसा है जैसा 11 वर्ष पहिले था। राजनीति का एक स्वरूप यह भी है।

महिला कांग्रेस ने 20 दिन में बनाए दो लाख सदस्य

अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की अध्यक्ष अलका लांबा ने कहा कि महिला कांग्रेस ने 20 दिनों के भीतर लगभग दो लाख सदस्य बनाए हैं और इस साल के अंत तक 10 लाख महिलाओं को पार्टी एवं संगठन से जोड़ने का लक्ष्य है। लांबा ने संवाददाताओं से बातचीत में यह भी कहा कि नारी न्याय के तहत देश की आधी आबादी को राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक न्याय देने का कांग्रेस का वादा है तथा उनका संगठन महिलाओं की लड़ाई जारी रखेगा। लांबा ने कहा, अखिल भारतीय महिला कांग्रेस ने 15 सितंबर को अपने स्थापना दिवस पर देशव्यापी सदस्यता अभियान की शुरूआत की थी। मुझे बताते हुए खुशी है कि मात्र 20 दिन में देश भर से लगभग दो लाख बहनों ने ऑनलाइन सदस्यता ग्रहण की। यह सिलसिला देश की आधी आबादी को राजनीति की धारा में शामिल करने के लिए जारी रहेगा।

पृष्ठ 1 का शेष

हरियाणा-जम्मू कश्मीर में कांग्रेस की सरकार

मतदान प्रतिशत 63% तक पहुंच गया। हरियाणा के मुख्य सचिव टीवीएसएन प्रसाद ने कहा कि मैं उन घटनाओं को बड़ा मानता हूं, जो मतदान प्रक्रिया को प्रभावित करती हैं। कुछ छोटी-मोटी घटनाओं की खबरें आई हैं। प्रशासन ऐसी चीजों पर नजर रख रहा है। लेकिन, यहां कोई बड़ी घटना नहीं घटी है. और मतदान प्रक्रियाओं पर कोई असर नहीं पड़ा है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कांग्रेस पर मतदाताओं से झूठ बोलकर राज्य को लूटने की नीति अपनाने का आरोप लगाया। सैनी ने संवाददाताओं से कहा, कांग्रेस झूठ और लूट की राजनीति करती है और हरियाणा की जनता यह समझ चुकी है। उन्होंने (जनता) हरियाणा में तीसरी बार भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को लाने का मन बना लिया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस लगातार दलित समुदाय का अपमान करती रही है और उसने दलितों के उत्थान के लिए कभी कोई योजना तैयार नहीं की।

सभी की निगाहें इस समय जम्मू-कश्मीर चुनाव पर हैं। वहां 10 साल बाद चुनाव हुए थे। देश का ताज कहे जाने वाले जम्मू-कश्मीर में जीत का सेहरा किसके सिर बंधेगा, इसे लेकर काफी उत्सुकता है।

आधिकारिक चुनाव नतीजे 8 अक्टूबर को सामने आएंगे, लेकिन हरियाणा में मतदान संपन्न होते ही एग्जिट पोल के रुझान सामने आने शुरू हो गए हैं। सी-वोटर इंडिया टुडे सर्वेक्षण के अनुसार, जम्मू में, भाजपा को कुल 43 में से 27 से 31 सीटें जीतने की उम्मीद है। एनसी+ गठबंधन को 11 से 15 सीटें, पीडीपी को 0 से 2 सीटें मिलने का अनुमान है। और अन्य पार्टियों को 0 से 1 सीट मिल सकती है।

कश्मीर में, भाजपा को 0 से 1 सीट जीतने की संभावना है, जबकि एनसी+ गठबंधन को 29 से 33 सीटें जीतने का अनुमान है। पीडीपी को 6 से 10 सीटें मिलने की उम्मीद है और अन्य उम्मीदवारों को 6 से 10 सीटें मिल सकती हैं।

कश्मीर में कुल 47 विधानसभा सीटें हैं। कुल मिलाकर, सी-वोटर इंडिया टुडे सर्वेक्षण का अनुमान है कि एनसी+ 40 से 48 सीटें, बीजेपी 27 से 32 सीटें, पीडीपी 6 से 12 सीटें और अन्य उम्मीदवार 6 से 11 सीटें जीत सकते हैं। दैनिक भास्कर को जेकेएनसी के लिए मजबूत प्रदर्शन की उम्मीद है, जिसमें 35-40 सीटें मिलने का अनुमान है, संभवतः कांग्रेस के साथ गठबंधन में। बीजेपी को 20-25 सीटें मिल सकती हैं, जबकि पीडीपी को 4-7 सीटें मिलने की संभावना है, और अन्य 12-16 तक जीत सकते हैं।

गुलिस्तान न्यूज का अनुमान है कि मुकाबला कड़ा होगा, बीजेपी और जेकेएनसी दोनों 28-30 के बीच हैं, जबकि कांग्रेस को 3-6 सीटें मिल सकती हैं। पीडीपी को 5-7 सीटें मिलने का अनुमान है। पीपल्स पल्स का अनुमान है कि जेकेएनसी 33-35 सीटों के साथ आगे है, उसके बाद बीजेपी 23-27 और कांग्रेस 13-15 सीटों पर आगे है। पीडीपी को 7-11 का फायदा होने का अनुमान है। एक्सिस माई इंडिया एग्जिट पोल का अनुमान है कि भारतीय जनता पार्टी को जम्मू क्षेत्र में 29 सीटें मिलने की संभावना है, जबकि कांग्रेस-नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) गठबंधन को 19 सीटें जीतने का अनुमान है। वहीं अन्य को छह सीटें मिलने की संभावना है।

जम्मू-कश्मीर बीजेपी अध्यक्ष रविंदर रैना ने कहा मुझे पूरा विश्वास है कि बीजेपी 8 अक्टूबर को जम्मू-कश्मीर में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरेगी। जम्मू-कश्मीर की अगली सरकार बीजेपी की होगी। जम्मू-कश्मीर में पिछला विधानसभा चुनाव 2014 में हुआ था। 2019 के चुनाव से पहले, 5 अगस्त को केंद्र सरकार ने अनुच्छेद 370 को हटाने की घोषणा की, जिससे जम्मू-कश्मीर को केंद्र शासित प्रदेश में बदल दिया गया। सुप्रीम कोर्ट ने सितंबर तक चुनाव कराने का आदेश दिया, जिसके बाद चुनाव आयोग ने तीन चरणों में मतदान कराया।

90 सीटों के लिए हुए विधानसभा चुनाव में जम्मू-कश्मीर के लोगों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई। पहले चरण का मतदान 18 सितंबर को हुआ, उसके बाद दूसरे चरण का मतदान 25 सितंबर को हुआ और अंतिम चरण का मतदान 1 अक्टूबर को हुआ।

प्रभावशाली 63.88% मतदान दर्ज किया गया, जिसने एक महत्वपूर्ण बेंचमार्क स्थापित किया। 10 साल के अंतराल के बाद हो रहे इन विधानसभा चुनावों में करीब 900 उम्मीदवार अपनी किस्मत आजमा रहे हैं. प्रमुख राजनीतिक दलों ने इस दौड़ में अपनी पूरी ताकत झोंक दी है, जिनमें फारूक अब्दुल्ला की नेशनल कॉन्फ्रेंस, महबूबा मुफ्ती की पीडीपी, कांग्रेस, बीजेपी और कई स्थानीय पार्टियां शामिल हैं। निर्दलीय उम्मीदवारों ने भी चुनाव लड़ा है।

सौरभ ने पकड़े भाजपा...

एलजी के अधीन आता है। हमने प्रस्ताव पारित किया, कैबिनेट ने बस मार्शल की बहाली के संबंध में 26 सितंबर को दिल्ली विधानसभा द्वारा पारित प्रस्ताव का समर्थन किया और हमने एलजी को इसकी सिफारिश की। सिर्फ सीएम और बीजेपी विधायकों को ही एलजी से मिलने की इजाजत है. हमें उनकी सुरक्षा को लेकर चिंता है। मेरा मानना है कि एक महिला सीएम को वहां अकेले भेजना नैतिक रूप से, सुरक्षा के हिसाब से और प्रोटोकॉल के हिसाब से भी गलत है।

नीतीश कुमार को भारत रत्न देने की...

रूप में। हालांकि पोस्टर और मांग छोटू सिंह की व्यक्तिगत पहल हो सकती है, लेकिन इस कदम को आगामी बिहार विधानसभा चुनाव से पहले, खासकर जद (यू) के भीतर, मुख्यमंत्री के लिए समर्थन जुटाने के प्रयास के रूप में भी देखा जा सकता है।

जद (यू) नेतृत्व ने 2005 से लगातार नीतीश कुमार को बिहार के विकास के वास्तुकार के रूप में स्थान दिया है, अक्सर मुख्यमंत्री के रूप में उनके लंबे कार्यकाल पर प्रकाश डाला गया है, जो 19 वर्षों से अधिक का है। 2014 में एक संक्षिप्त रुकावट के बावजूद जब उन्होंने जीतन राम मांझी को भूमिका सौंपी, नीतीश कुमार बिहार के शासन में एक केंद्रीय व्यक्ति रहे हैं, जिन्होंने कई प्रमुख सुधारों और परियोजनाओं को लागू किया है, जिन्हें पार्टी राज्य की प्रगति में मील के पत्थर के रूप में महत्व देती है। जेडीयू नेता हमेशा दावा करते हैं कि पंचायती राज संस्थाओं में 50 फीसदी महिला आरक्षण सीएम नीतीश की उपलब्धि थी। इसके अलावा वह राज्य में शराब पर प्रतिबंध लगाने का साहसिक कदम उठाने के लिए भी मशहूर हैं।

केजरीवाल के खाली किया मुख्यमंत्री आवास

॥ राष्ट्र टाइम्स ॥

अरविंद केजरीवाल ने लुटियंस जोन में अपने नए पते पर जाने के लिए 6, फ्लैगस्टाफ रोड आवास खाली कर दिया। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक को अपनी पत्नी और बेटे के साथ कार में घर से निकलते देखा गया। उनके माता-पिता और बेटी दूसरे में चले गए। केजरीवाल, जिन्होंने पिछले महीने दिल्ली के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था, अपने परिवार के साथ मंडी हाउस के पास फिरोजशाह रोड पर पंजाब के राज्यसभा सांसद अशोक मित्तल के आधिकारिक आवास पर रहेंगे, जो रविशंकर शुक्ला लेन में AAP मुख्यालय के करीब है।

पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसौदिया भी राजेंद्र प्रसाद रोड स्थित बंगले में शिफ्ट हो गए। पार्टी नेताओं ने कहा कि यह घर आप के राज्यसभा सांसद हरभजन सिंह का आधिकारिक

फोटो : राजीव गुप्ता

आवास है। उत्तरी दिल्ली के सिविल लाइंस में 6, फ्लैगस्टाफ रोड को छोड़ने का फैसला करने के बाद, सांसदों, विधायकों और पार्षदों सहित कई पार्टी नेताओं ने केजरीवाल को अपने घर की पेशकश की थी, जहां वह 2015 से मुख्यमंत्री के रूप में रह रहे थे। केजरीवाल का नया आवास, जहां वह अपने परिवार के साथ रहेंगे, रविशंकर शुक्ला लेन स्थित आप मुख्यालय के करीब है।

एक वीडियो संदेश में आप सांसद मित्तल ने कहा कि उन्हें यह जानकर खुशी हुई कि केजरीवाल ने उनका घर चुना है। उन्होंने कहा कि जब केजरीवाल ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दिया, तो मुझे पता चला कि उनके पास रहने के लिए कोई जगह नहीं है... मैंने उन्हें अपने दिल्ली आवास पर अपना मेहमान बनने के लिए आमंत्रित किया और मुझे बहुत खुशी हुई कि उन्होंने मेरा अनुरोध स्वीकार कर लिया। पार्टी नेताओं ने कहा कि नई दिल्ली क्षेत्र में रहते हुए, जो उनका विधानसभा क्षेत्र भी है, केजरीवाल दिल्ली और अन्य राज्यों में आगामी चुनावों के लिए आप के अभियान की निगरानी करेंगे।

राम से तुलना करने वाले एक महल छोड़ दूसरे में जाते हैं: मालीवाल

॥ राष्ट्र टाइम्स ॥

राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल ने पोस्ट 'एक्स' के जरिए नेतृत्व और नैतिक मूल्यों पर अपने विचार व्यक्त किए। आधुनिक नेताओं की तुलना भगवान राम से करते हुए मालीवाल ने उनके त्याग और महिलाओं का सम्मान करने के तरीके में अंतर पर जोर दिया। मालीवाल ने एक्स पर लिखा। एक थे मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम, जिन्होंने महल छोड़ वन में 14 साल गुजारे। नारी सम्मान के लिए रावण जैसे शक्तिशाली राक्षस से युद्ध किया।

राज्यसभा सांसद ने कहा कि आज कल जो लोग अपनी तुलना प्रभु श्री राम से करवाते हैं, महा त्याग बताकर एक महल छोड़ दूसरे महल में रहने जाते हैं। माया के पीछे आदर्श भूल जाते हैं। नारी पर वार करने वाले को बचाते हैं, इसी में सुकून पाते हैं। मालीवाल ने भगवान राम के बारे में बात की, जिन्होंने अपना महल छोड़ दिया और रावण जैसे शक्तिशाली प्रतिद्वंद्वियों

के खिलाफ भी महिलाओं की गरिमा के लिए लड़ते हुए 14 साल वनवास में बिताए और इसकी तुलना वर्तमान नेताओं से की, जिनके बारे में उनका कहना है कि अगर वे धन और शक्ति की खोज को भूल जाते हैं तो एक महल से दूसरे महल में चले जाते हैं।

मालीवाल ने उन महिलाओं की रक्षा करने और ऐसे कृत्यों में आराम पाने के लिए आज के नेताओं की भी आलोचना की। आज के नेतृत्व में आदर्शों के संरक्षण और महिलाओं के सम्मान का आग्रह करते हुए उन्होंने भगवान राम की विरासत का सहारा लिया।

ढाई करोड़ रुपए रिश्वत मांगने वाला एनआईए का डीएसपी गिरफ्तार

॥ इंद्र वशिष्ठ ॥

सीबीआई ने एनआईए के एक डीएसपी और उसके दो बिचौलियों को बीस लाख रुपए रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया है।

सीबीआई के अनुसार राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की पटना शाखा में तैनात डीएसपी अजय प्रताप सिंह, उसके बिचौलियों हिमांशु और ऋतिक कुमार सिंह को गिरफ्तार किया गया है।

सीबीआई ने यह कार्रवाई रमैया कंस्ट्रक्शन के मालिक रॉकी यादव की शिकायत पर की।

एनआईए रमैया कंस्ट्रक्शन के मालिक व जदयू की पूर्व एमएलसी मनोरमा देवी के बेटे रॉकी यादव के खिलाफ नक्सलियों को मदद करने और अवैध हथियारों की आपूर्ति करने के आरोप में जांच कर रही है।

19 सितंबर को एनआईए ने रॉकी यादव के घर और ऑफिस पर छापेमारी की थी। इस दौरान 4.03 करोड़ रुपए और 10 अवैध हथियार बरामद हुए थे। सीनियर डीएसपी अजय प्रताप सिंह इस मामले के जांच अधिकारी थे। डीएसपी अजय प्रताप सिंह एनआईए में प्रतिनियुक्ति पर आया आयकर अधिकारी है।

आरोप है कि डीएसपी अजय प्रताप सिंह ने रॉकी यादव से मामले में राहत देने के लिए 2.5 करोड़ रुपए की रिश्वत मांगी थी।

रॉकी यादव को धमकी दी गई थी, कि अगर उसने पैसे नहीं दिए तो उसे और उनके परिवार को अवैध हथियार आदि के झूठे मामलों में फंसा दिया जाएगा।

डीएसपी अजय प्रताप सिंह ने अपने बिचौलिये के माध्यम से रिश्वत की पहली किश्त के तौर पर 25 लाख रुपए 26 सितंबर को लिए थे। डीएसपी अजय प्रताप सिंह ने एक अक्टूबर को रॉकी यादव को दोबारा बुलाया और 70 लाख रुपए की मांग की। जिसमें से 35 लाख रुपए उसी दिन पटना में उसके बिचौलिये को देने के लिए कहा।

डीएसपी अजय प्रताप सिंह ने अपने बिचौलिये का फोन नंबर अपने हाथ से लिख कर उसे दिया। रॉकी यादव ने पैसों का इंतजाम करने के लिए कुछ समय की मोहलत मांगी। इसके बाद रॉकी यादव ने सीबीआई में शिकायत कर दी।

सीबीआई ने तीन अक्टूबर को डीएसपी और उसके बिचौलियों को बीस लाख रुपए लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा। गिरफ्तारी के बाद सीबीआई ने पटना, वाराणसी और गया में कई जगहों पर छापेमारी की। इस दौरान कई दस्तावेज बरामद हुए।

4128 संग्रहित अस्थि कलशों को मां गंगा के आंचल में कराया मोक्ष

श्री देवोत्थान सेवा समिति (पंजी.)के तत्वावधान में 4128 संग्रहित अस्थि कलशों को मां गंगा के आंचल में विधि विधान से मोक्ष कराया गया। समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल नरेन्द्र ने बताया, कि बैंड बाजो और महादेव के भव्य रथ पर आरुढ अस्थि कलशों को श्री राजमाता झंडेवाला मंदिर गोरखपार्क शाहदरा के महंत सनातनश्री महंत राजेश्वरानंद जी महाराज, शिव नवग्रह मंदिर धाम, चांदनी चौक के महंत शिवशंकर महाराज,कामाक्षापीठ हिमाचल के महंत निरंजन बंसीलाल, गांधीनगर विधानसभा के विधायक अनिल वाजपेयी, शकरपुर वार्ड के निगम पार्षद रामकिशोर शर्मा सहित सैकड़ों लोगों ने पुष्पांजलि अर्पित कर हरिद्वार के लिए विदा किया। संगठन मंत्री दीपक गुप्ता ने बताया, कि 30 चार पहिया वाहन,दो बसों में सवार करीब 300 श्रद्धालुओं ने पितृपक्ष में प्रतिवर्ष निकाली जाने वाली यात्रा के साक्षी बने, जगह जगह

श्रद्धालुओं द्वारा पुष्पांजलि अर्पित की गई। समिति के राष्ट्रीय महामंत्री और यात्रा संयोजक विजय शर्मा ने बताया कि दिल्ली एनसीआर सहित भारत के अन्य राज्यों से एकत्रित 4128 अस्थि कलशों को शहीदी पार्क, आईटीओ,नई दिल्ली से ले जाकर 100 किलो दूध की धारा के साथ वैदिक मंत्रोच्चार कर सतीघाट, कनखल, हरिद्वार में विसर्जित किया गया। उन्होंने बताया, कि समिति 23 वर्षों में 1,65,289 हुतात्माओ का विसर्जन विधि विधान से कर चुकी हैं। लक्ष्मी नगर,प्रीत विहार, ओसवाल भवन ज्वाला नगर, वृंदावन गार्डन, गाजियाबाद, मेरठ, मुजफ्फरनगर, रुड़की में हजारों लोगों ने पुष्पांजलि कर पितृदेवो का आशीर्वाद लिया इस अवसर पर योगेन्द्र सिंह मान, वीर भाई रामनाथ लूथरा,किरणदीप कौर, सुनयना सिंह,मनोज मेंदीरत्ता, बालेश जैन, प्रेरणा मिथुन बर्सले, प्रदीप शर्मा, एचपी राव, राणा कुशल पाल सिंह, देवेन्द्र ठाकुर, अमित जैन, राजेश कुमार, सुरेश रुस्तगी,पंकज आंगरा, गोपाल वर्मा, पंकज कुमार, विजय कुमार, विकास शर्मा,डीके भार्गव, प्रेम गुलाटी, प्रदीप महाजन, आरएस दुआ, कन्हैयालाल श्रीवास्तव, आचार्य विष्णु अवतार शास्त्री, सुरेन्द्र शर्मा, अशोक महेश्वरी,विशु महेश्वरी, दिनेश भारद्वाज, चन्द्रप्रकाश बाटा, पुण्यदाई अभियान समिति न्यास के प्रमुख रविन्द्र गोयल, अवनीश गोयल, बी.के.मेहता, आनंद प्रकाश टुटेजा, आचार्य जितेन्द्र शास्त्री, नमन शर्मा, आशीष कश्यप, साहिल वर्मा आदि का विशेष सहयोग रहा।

लाल किला मैदान पर गणेश पूजन से लीला मंचन प्रारंभ

॥ चंद्रमोहन शर्मा ॥

विश्व प्रसिद्ध लव कुश रामलीला कमेटी के अध्यक्ष अर्जुन कुमार ने बताया कि ऐतिहासिक लालकिला मैदान में वीरेंद्र सचदेवा अध्यक्ष दिल्ली प्रदेश भाजपा, किशोर मकवाना चेयरमैन, एनसीएससी के कर कमलो से काशी एवं मथुरा के विद्वान पंडितो ने प्रथम पूज्य बाबा गणपति का पूजन संपन्न कराया।

लीला प्रेसिडेंट अर्जुन कुमार ने बताया रामेश्वरम धाम की थीम पर बने विशाल मंच पर गणेश पूजन से शुरू हुई लीला में सर्वप्रथम शिव

पार्वती प्रसंग, नारद मोह, से लेकर रावण वेदवती संवाद तक की लीला का मंचन हुआ।

लीला के जनरल सेक्रेट्री सुभाष गोयल ने बताया आज की लीला में मुंबई फिल्म इंडस्ट्री के कलाकारों ने अभिनय किया।

लीला में आए हुए सभी अतिथियों को पटका स्मृति चिन्ह, शक्ति की प्रतीक गदा भेंट कर सम्मान किया।

इस अवसर पर कमेटी के सत्य भूषण जैन, सौरव गुप्ता, संदीप भूटानी, देवेंद्र चौधरी, प्रवीण सिंगल, अंकुर गोयल, संजय वर्मा आदि सम्मिलित हुए।

महाराष्ट्रः सीट बंटवारे पर तत्काल निर्णय लेने की जरूरत

॥ राष्ट्र टाइम्स ॥

नेशनल कांग्रेस पार्टी-एससीपी प्रमुख शरद पवार ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों के लिए महा विकास अघाड़ के भीतर सीट-बंटवारे की चर्चा पर तत्काल निर्णय लेने का आह्वान किया। आपको बता दें कि महाराष्ट्र में सियासी हलचल तेज है। 26 नवंबर से पहले राज्य में चुनावी प्रक्रिया खत्म होने की उम्मीद है। हालांकि, पवार ने यह भी कहा कि वह विधानसभा चुनाव के लिए गठबंधन के भीतर हो रही सीट-बंटवारे की चर्चा में भाग नहीं ले रहे हैं। पवार ने कहा कि सीट-बंटवारे के मामले पर टिप्पणी करना उनके लिए

उचित नहीं होगा। वरिष्ठ नेता ने कहा कि मैं सीट-बंटवारे की चर्चा में हिस्सा नहीं ले रहा हूं, इसलिए उस विषय पर मेरा कुछ भी कहना ठीक नहीं होगा। उन बैठकों में हमारी ओर से जयंत पाटिल मौजूद हैं, वह इस विषय पर बोलेंगे।

कांग्रेस की ओर से नाना पटोले और उनके कुछ साथी और संजय राउत और उनके कुछ अन्य सहयोगी चर्चा में शामिल हैं। उन्होंने कहा कि अब तक उनकी तीन-चार बैठकें हो चुकी हैं। सुनने में यह भी आया है कि कुछ विषयों पर उनमें सहमति बन गई है और कुछ विषय ऐसे हैं जिन पर अभी भी उन्हें एक-दो बार साथ बैठना पड़ेगा। वे 7, 8 और 9 तारीख को एक साथ बैठने वाले हैं। पवार ने कहा कि मैं अपनी पार्टी की ओर से सभी से एक साथ बैठकर चर्चा करने का अनुरोध करता हूं।' निर्णय यथाशीघ्र हम तक पहुंचना चाहिए।

लोग महाराष्ट्र में बदलाव चाहते हैं और यह स्थिति हमारे लिए अनुकूल है और हमें लोगों के मन की इस भावना का सम्मान करना चाहिए। पवार ने यह भी स्पष्ट किया कि लोकसभा चुनाव के दौरान एमवीए के भीतर कोई टकराव नहीं था, क्योंकि कांग्रेस और शिवसेना-यूबीटी के बीच सांगली निर्वाचन क्षेत्र से कौन सा उम्मीदवार चुनाव लड़ेगा, इस पर विवाद हुआ था।

फोटो : कमलजीत सिंह

मयूर विहार फेस-2 में रोजवुड अपार्टमेंट के बस स्टाप की खस्ता हालत व जानवरों का कब्जा।

शारदीय नवरात्रि पर्व

प्राचीन ऐतिहासिक झण्डेवाला देवी मंदिर में शारदीय नवरात्र पर्व से आरंभ होकर 12 अक्तूबर तक तक बडी धूम-धाम से मनाया जायेगा । दर्शनार्थियों को प्रवेश दिशा निदेर्शों के अनुसार ही मंदिर में दिया जाएगा। किसी प्रकार का प्रसाद अथवा अन्य भेंट चढाने की मनाही रहेगी। यह जानकारी देते हुए रवींद्र गोयल ट्रस्टी व अतिरिक्त प्रबंधक ने बताया कि मंदिर में प्रत्येक प्रवेश द्वार पर जूता स्टैड बनाए गए हैं जहाँ भक्त अपने जूते चप्पल रख सकेंगे। आने वाले भक्तों के वाहन खड़े करने के लिये रानी झांसी मार्ग, फ्लैटिड फैक्ट्री परिसर व पुराना नाज सिनेमा परिसर में निःशुल्क पार्किंग की व्यवस्था की गई है। सुरक्षा व्यवस्था के लिये 260 सी सी टी वी कैमरे लगाये गये हैं जिनकी निगरानी पुलिस के सहयोग से विशेष रूप से बने एक कंट्रोल रूम से की गई है ताकि असामाजिक तत्वों पर नजर रखी जा सके। नवरात्र के समय हर वर्ष अलग-अलग स्थानों से हजारों की संख्या में भक्त मां की ज्योत लेने आ रहे हैं उनकी हर प्रकार की सुविधा का प्रबंध मंदिर की ओर किया गया है। मंदिर को अंदर और बाहर से भव्य सजाया गया है। भवन के अंदर और बाहर सफाई के उत्तम प्रबंध किए गए है। उत्सव हेतु 2500 पुरूष और 350 महिला सेवादार की व्यवस्था की गई है।

श्री धार्मिक रामलीला में हुआ भगवान राम के जन्म का मंचन

॥ विवेक जैन॥

श्री धार्मिक रामलीला कमेटी के तत्वावधान में खेकड़ा नगर की गांधी प्याउ पर चल रही रामलीला मंचन में - राजा दशरथ द्वारा शिकार खेलते हुए श्रवण कुमार तीर लगना, श्रवण कुमार के माता-पिता द्वारा राजा दशरथ को श्राप दिया जाना, राजा जनक द्वारा राज्य में अकाल पड़ने पर सोने का हल चलाने पर भूमि से सीता जी का प्रकट होना और राजा दशरथ द्वारा यज्ञ किए जाने पर राम, लक्ष्मण, भरत व शत्रुघ्न के जन्म तक की लीला हुई । रामलीला का उद्घाटन मुकेश जैन शुभम जैन पुनीत जैन द्वारा किया गया। रामलीला के सफल आयोजन में रामलीला के प्रधान पुष्पेंद्र कुमार,नरेश शर्मा, तरुण गुप्ता, नेतराम रूहेला, दीपक शर्मा, मुकेश शर्मा, आदेश, रविकांत, हेमंत, रवींद्र धामा, संदीप प्रजापति, नवीन शर्मा, सूरज, सचिन, अजीत यादव, योगेश यादव, मनोज जैन, जतिन,अनुराग, संदीप, दक्ष, जयंत, राजा, अखिलेश शास्त्री, गौरव वर्मा, रोहित वर्मा, हर्ष भारद्वाज,अमित झा, देव सिरोही का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

रेलवे कर्मियों को मिलेगा 78 दिन का बोनस

केंद्र सरकार ने रेलवे कर्मचारियों के बोनस का ऐलान किया जिससे लाखों कर्मचारियों के चेहरे पर खुशी नजर आने लगी है। केंद्र सरकार ने 12 लाख रेलवे कर्मचारियों को 78 दिनों का बोनस देने का ऐलान किया है। इस बोनस पर सरकार 2029 करोड़ रुपए खर्च करेगी, जो कर्मचारियों की उत्पादकता और उनके कामकाज के आधार पर दिया जाएगा। यह बोनस रेलवे कर्मचारियों के लिए वित्तीय राहत के साथ उनके कार्य में उत्साह बढ़ाएगा।

इस फैसले का सीधा लाभ करीब 12 लाख रेलवे कर्मचारियों को मिलेगा। नवरात्रि पर इस प्रकार की वित्तीय सहायता कर्मचारियों के लिए बेहद अहम मानी जा रही है, क्योंकि यह उन्हें अपने परिवार के साथ त्योहार मनाने और अपने आर्थिक दायित्वों को पूरा करने में मदद करेगी। यह बोनस न केवल उनके जीवन में आर्थिक स्थिरता लाएगा, बल्कि उनके मनोबल में भी बढ़ोतरी करेगा, जिससे रेलवे के कामकाज की गुणवत्ता में सुधार आने की संभावना है।

नवरात्रि भारतीय संस्कृति में एक अहम त्योहार माना जाता है, जिसे नई शुरूआत, उत्सव और समर्पण के प्रतीक के रूप में देखा जाता है। ऐसे समय पर बोनस की घोषणा, कर्मचारियों के लिए शुभ है। त्योहारों के दौरान सरकार की यह पहल एक उपहार है। केंद्र सरकार का यह फैसला रेलवे कर्मचारियों के प्रति उसकी प्रतिबद्धता और उनके योगदान की सराहना को दर्शाता है।

माँ फाउंडेशन द्वारा किया निजामी ब्रदर्स नाईट का आयोजन

॥ अशोक कुमार निर्भय ॥

एनजीओ माँ फाउंडेशन की संस्थापक चेयरपर्सन मुस्कान पांडेय ने विकासपुरी स्थित गोल्डन एपल बैंकट में एक विशेष कव्वाली शाम का आयोजन किया, जिसमें निजामुद्दीन औलिया दरगाह के प्रसिद्ध कव्वाल निजामी ब्रदर्स ने अपनी अद्भुत प्रस्तुतियों से सबको मंत्रमुग्ध कर दिया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य समाज के वंचित और दबे-कुचले लोगों के उत्थान के प्रति जागरूकता बढ़ाना था।

कार्यक्रम के दौरान चेयरपर्सन मुस्कान पांडेय ने उपस्थित सभी लोगों का स्वागत करते हुए कहा कि माँ फाउंडेशन समाज के कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए समर्पित है। उन्होंने महिला सशक्तिकरण के लिए कई योजनाओं का उल्लेख किया, जो पूरी तरह से सरकारी सहायता के बिना

चल रही हैं। मुस्कान ने कहा, "हमारी कोशिश है कि समाज का हर वर्ग हमारे साथ आए और इस बदलाव का हिस्सा बने।" उनका यह संदेश समाज में सकारात्मक परिवर्तन की दिशा में एक नई प्रेरणा प्रदान करता है।

यह कव्वाली शाम केवल मनोरंजन के लिए नहीं, बल्कि सामाजिक जागरूकता के लिए भी थी। ऐसे आयोजनों से लोगों में एकता और सामंजस्य का भाव बढ़ता है। मुस्कान ने स्पष्ट किया कि आज के समय में, जब समाज में कई समस्याएं हैं, ऐसे आयोजनों की आवश्यकता और भी बढ़ गई है। इस महफिल ने न केवल लोगों को एकत्रित किया, बल्कि उन्हें एक सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

निजामी ब्रदर्स ने अपनी प्रस्तुतियों से सबका मन मोह लिया, जिससे दर्शक झूमने लगे। उनकी कव्वालियों में सूफी संगीत और गहरे भावों का समावेश था, जिसने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। हर प्रस्तुति में एक अलग जादू था, जो श्रोताओं को गहराई में ले जाता था।

इस महफिल में दिल्ली पुलिस के सहायक पुलिस आयुक्त विनोद नारंग, सहायक पुलिस आयुक्त संजय कुमार, महाबीर प्रसाद मिश्रा, माँ फाउंडेशन की ट्रस्टी सविता गुप्ता, ट्रस्टी नमिता अरोड़ा, ट्रस्टी राजकुमार त्यागी, दिल्ली उच्च न्यायालय के अधिवक्ता आशुतोष पांडेय, वरिष्ठ पत्रकार मणि आर्य, और वरिष्ठ पत्रकार विक्रम गोस्वामी जैसे गणमान्य व्यक्तियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। इन प्रतिष्ठित व्यक्तियों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को और भी महत्व दिया, जो यह दर्शाता है कि समाज में सकारात्मक परिवर्तन के लिए हर स्तर पर सहयोग की आवश्यकता है।

माँ फाउंडेशन के चेयरपर्सन मुस्कान पांडेय ने कई सामाजिक योजनाओं को सफलतापूर्वक लागू किया है। उन्होंने बताया कि उनकी योजनाएं मुख्यतः महिलाओं के सशक्तिकरण, शिक्षा, स्वास्थ्य, और रोजगार के क्षेत्र में हैं। मुस्कान ने कहा, "हमें अपने प्रयासों में निरंतरता बनाए रखनी है, ताकि हम समाज में सकारात्मक परिवर्तन ला सकें।" उनका यह दृष्टिकोण निश्चित रूप से समाज में बदलाव लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

महफिल-ए-शाम कव्वाली केवल एक सांस्कृतिक कार्यक्रम नहीं था, बल्कि यह एक सामाजिक आंदोलन का हिस्सा था। इस तरह के आयोजनों से समाज में जागरूकता बढ़ती है और वंचित वर्गों की आवाज को मजबूती मिलती है। मुस्कान पांडेय और उनकी टीम का प्रयास सराहनीय है, और यह स्पष्ट है कि माँ फाउंडेशन समाज के विकास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। समाजसेविका मुस्कान पांडेय का नेतृत्व निश्चित रूप से समाज में एक नई दिशा प्रदान कर रहा है।

महाराष्ट्र चुनाव: कांग्रेस के 1800 उम्मीदवारों ने टिकट के लिए ठोका दावा

महाराष्ट्र में कांग्रेस इकाई को राज्य विधानसभा चुनाव के लिए टिकट के लिए 1,830 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं। अधिकांश आवेदक राज्य के विदर्भ और मराठवाड़ा क्षेत्रों से आए हैं। महाराष्ट्र में अभी मतदान की तारीखों का ऐलान नहीं हुआ है। हालाँकि, पार्टी के 288 में से लगभग 100 से 110 सीटों पर चुनाव लड़ने की संभावना है। जबकि हरियाणा में कांग्रेस पार्टी को केवल 90 सीटों के लिए 2,500 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं।

महाराष्ट्र में आवेदकों को 20,000 रुपये तक का पंजीकरण शुल्क देना पड़ता है। सबसे पुरानी पार्टी के अनुसार, महाराष्ट्र को हरियाणा से अधिक आवेदक मिल सकते हैं। महाराष्ट्र के पूर्व सीएम पृथ्वीराज चव्हाण ने उत्साह व्यक्त करते हुए कहा कि यह प्रतिक्रिया लोकसभा चुनावों में पार्टी की हालिया सफलता के कारण है। कांग्रेस 13 लोकसभा सांसदों और एक निर्दलीय सांसद के साथ एक मजबूत ताकत के रूप में उभरी है, जिसने पार्टी को समर्थन दिया है और महा विकास अघाड़ी (एमवीए) 65 प्रतिशत विधानसभा क्षेत्रों में आगे चल रही है। आवेदनों में यह उछाल पार्टी की संभावनाओं के लिए एक सकारात्मक संकेत है।

पूर्व मंत्री नितिन राउत, जो आवेदकों की स्क्रीनिंग/साक्षात्कार करने वाले पैनल का हिस्सा हैं, ने कहा कि सबसे अधिक आवेदन विदर्भ और मराठवाड़ा क्षेत्रों से आए हैं, जहां दलित, मुस्लिम और मराठा कांग्रेस और एमवीए के पक्ष में हैं।

जेलों में जातिगत भेदभाव पर रोक जरूरी

बसपा सुप्रीमों मायावती ने सोशल मीडिया पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत किया है, जिसमें जेलों में जातिगत भेदभाव को अनुचित और असंवैधानिक बताया गया है। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट किया कि देश की जेलों में भी क्रूर जातिवादी भेदभाव के तहत कैदियों से जातियों के आधार पर उनमें काम का बंटवारा कराने को अनुचित व असंवैधानिक करार देकर इस व्यवस्था में जरूरी बदलाव करने का माननीय सुप्रीम कोर्ट के फैसले का भरपूर स्वागत।

परमपूज्य बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर के जातिविहीन मानवतावादी व धर्मपिरपेक्ष संविधान वाले देश में इस प्रकार की जातिवादी व्यवस्था का जारी रहना यह साबित करता है कि सरकारों का रवैया संवैधानिक न होकर लगातार जातिवादी है। अतः मजलूमों के लिए अब सत्ता प्राप्त करना जरूरी।

उन्होंने आगे लिखा कि परमपूज्य बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर के जातिविहीन मानवतावादी व धर्मपिरपेक्ष संविधान वाले देश में इस प्रकार की जातिवादी व्यवस्था का जारी रहना यह साबित करता है कि सरकारों का रवैया संवैधानिक न होकर लगातार जातिवादी है।

भारत की 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के लक्ष्य: लीजहोल्ड से फ्रीहोल्ड में बदलाव की मांग

॥ मनोज शर्मा ॥

इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (IIA) के दिल्ली चैप्टर की कार्यकारी समिति ने झंडेवालान मुख्यालय में एक बैठक की, जहां सदस्यों ने दिल्ली सरकार, दिल्ली के उपराज्यपाल (LG) और भारत सरकार से दिल्ली की औद्योगिक इकाइयों के लिए फ्रीहोल्ड नीति लागू करने का आग्रह किया।

दिल्ली चैप्टर की चेयरपर्सन डॉ. ममता ने बताया कि दिल्ली में 29 अधिसूचित औद्योगिक क्षेत्र हैं। 2005 में लीजहोल्ड औद्योगिक संपत्तियों को फ्रीहोल्ड में बदलने के लिए एक योजना पेश की गई थी, लेकिन कुछ ही लोगों को इसका लाभ मिला है। सरकारी निकाय जैसे डीडीए, डीएसआईआईडीसी और उद्योग विभाग ने इस नीति को चुनिंदा रूप से लागू किया है, जिससे कई औद्योगिक इकाइयां अभी भी फ्रीहोल्ड स्थिति से वंचित हैं।

डॉ. ममता ने जोर देकर कहा कि लीजहोल्ड से फ्रीहोल्ड में बदलाव इन क्षेत्रों की आर्थिक संभावनाओं को उजागर करने के लिए महत्वपूर्ण है। इससे अधिक निवेश आकर्षित होगा और भारत को 2025 तक 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को प्राप्त करने में मदद मिलेगी।

व्यावसायिक वृद्धिः फ्रीहोल्ड स्वामित्व औद्योगिक इकाइयों को बिना लीज समझौतों की बाधाओं के विकास, नवाचार और नई तकनीकों में निवेश करने की अधिक स्वतंत्रता देगा।

निवेश और ऋण तक बढ़ेगी पहुंचः फ्रीहोल्ड संपत्तियों को बैंकों द्वारा अधिक मूल्यवान माना जाता है, जिससे व्यवसायों के लिए ऋण प्राप्त करना और निवेशकों को आकर्षित करना आसान होगा। यह भारत की आर्थिक प्रगति के लिए महत्वपूर्ण है।

प्रतिस्पर्धात्मकता में वृद्धिः दिल्ली की औद्योगिक इकाइयां उन क्षेत्रों के साथ बेहतर प्रतिस्पर्धा कर सकेंगी, जिनके पास पहले से ही फ्रीहोल्ड स्थिति है, जिससे उत्पादन और नवाचार में वृद्धि होगी।

रोजगार सृजन और आर्थिक प्रभावः फ्रीहोल्ड नीति औद्योगिक गतिविधियों को विस्तार की ओर ले जाएगी, जिससे रोजगार के अवसर पैदा होंगे और नए औद्योगिक केंद्र विकसित होंगे, जो 5 ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए महत्वपूर्ण हैं।

डॉ. ममता ने आग्रह किया कि यह नीति दिल्ली की सभी औद्योगिक इकाइयों पर लागू होनी चाहिए, न कि केवल कुछ पर। यदि इसे पूरी तरह से लागू किया जाता है, तो इससे व्यवसायों को अर्थव्यवस्था में अधिक प्रभावी योगदान देने का अधिकार मिलेगा और भारत को 2025 तक 5 ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनने के दृष्टिकोण का समर्थन करेगा। दिल्ली का औद्योगिक क्षेत्र राज्य के $130 बिलियन के सकल राज्य घरेलू उत्पाद (GSDP) में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। फ्रीहोल्ड नीति लागू होने से व्यवसाय संचालन में आसानी होगी और भारत और विदेशों से अधिक निवेश आकर्षित होंगे।

महात्मा गांधी जयंती पर पार्क के सफाई कर्मचारियों को सम्मानित किया

॥ राकेश जाखेटिया ॥

पप्पू चौपाल पर सभी पार्क प्रेमियों द्वारा महात्मा गांधी जयंती पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। सर्वप्रथम एक अभियान चलाकर पार्क को साफ किया गया। महात्मा गांधी जी के प्रिय भजनों के साथ उपस्थित जनमानस द्वारा पदयात्रा निकाली गई। कार्यक्रम स्थल पर महात्मा गांधी के चित्र पर पुष्प माला पहनाकर कर अधिकांश पार्क प्रेमियों ने पुष्प अर्पित किए। महात्मा गांधी जी के प्रिय भजनों वैष्णव जन तो तेने कहिए प्रीत पराई , रघुपति राघव राजा राम पतित पावन सीताराम, साबरमती के संत तूने कर दिया कमाल का सभी ने आनंद लिया। चौपाल के संस्थापक सदस्य राकेश जाखेटिया ने महात्मा गांधी के जीवन पर अपने विचार रखें। उन्होंने कहा कि यह दिन अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। गांधी जी को सफाई, सादगी, शांति , अहिंसा और सत्याग्रह अत्याधिक पसंद थी। उनकी जीवन शैली में खादी एवं चरखा का बहुत महत्व था। तीन आंदोलन आपके प्रमुख रहे असहयोग आंदोलन, दांडी मार्च, भारत छोड़ो आंदोलन। गांधी जी का सोचना था कि देश जब तक उन्नति नहीं कर सकता जब तक अंतिम पंक्ति में बैठा हुआ व्यक्ति खुश ना हो।

कार्यक्रम के दौरान पूर्व प्रधानमंत्री स्व . लाल बहादुर शास्त्री के बलिदान को भी याद किया गया। आपका जीवन भी बहुत ही सादगी भरा तथा ईमानदार रहा। आपने देश को जय जवान – जय किसान का नारा दिया। सभी ने भावभीनी विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की।

विदेश से कुछ समय के लिए आए गुप्ता परिवार ने भी महात्मा गांधी को अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। महात्मा गांधी के बताए हुए रास्ते पर चलते हुए पार्क के सभी सफाई कर्मचारियों का पुष्पमाला पहनाकर अभिनंदन एवं स्वागत किया गया ।

कार्यक्रम के अंत में पप्पू चौपाल के सक्रिय सदस्यों का पूर्व पार्षद मनोज गोयल द्वारा आभार व्यक्त किया गया। जिन्होंने प्रारंभ से आज तक सभी गतिविधियों में अग्रणीय भूमिका निभाई । जिसमें प्रमुख रहें ....कमल गुप्ता, पवन गुप्ता, श्याम वैश्य, गौरव वर्मा, मनीष जैन, वरुण शर्मा, रविंद्र नागर, चौधरी नवल किशोर, अशोक परवाल, अशोक मंनुवाल, मुदित कुमार आदि।

राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ की नई कमेटी गठित

डॉ पवित्रा मोहन सामंतराय बने अध्यक्ष

राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ की कार्यकारिणी की आकस्मिक बैठक आहूत करते हुए सर्वसम्मति से कुछ अहम निर्णय लिए गए हैं जिसमें से वरिष्ठ पत्रकार पुष्पा पांड्या को चेयरपर्सन तथा राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में वरिष्ठ पत्रकार डॉक्टर पबित्रा मोहन सामंतराय सहित अन्य की नियुक्तियां की गई हैं।

पत्रकार संगठन राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ (आरपीएम) की आकस्मिक बैठक नई दिल्ली स्थित जगन्नाथ मंदिर परिसर में संपन्न हुई। इस बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष धीरज कुमार, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष शीबू खान, राष्ट्रीय सचिव पंकज मिस्त्री के साथ ही उप सचिव सुशांत सोनी मौजूद रहे हैं। इस दौरान बैठक को संगठन के संविधान के अनुसार कोरम को पूरा करते हुए संगठन को सक्रियता देते हुए अहम फैसले लिए गए हैं।

संगठन के विस्तार के साथ ही निष्क्रिय सदस्यों को उपस्थित सदस्यों ने एक राय होकर बाहर का रास्ता दिखाने का काम किया साथ ही संगठन को सुचारू रूप से चलाने हेतु ओडिशा राज्य के वरिष्ठ पत्रकार डॉक्टर पबित्रा मोहन सामंतराय, महाराष्ट्र राज्य के वरिष्ठ पत्रकार वाई के नारायनपूरकर और उत्तर प्रदेश राज्य के वरिष्ठ पत्रकार सुशील शर्मा को संगठन में लेते हुए डॉक्टर पवित्रा मोहन सामंतराय को सर्वसम्मति से राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना गया जबकि निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष रहे धीरज कुमार को राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं वाई के नारायनपूरकर और सुशील शर्मा को राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य के रूप में लिया गया है। वहीं दूसरे दिन की बैठक नई दिल्ली के वेस्टर्न कोर्ट परिसर में संपन्न हुई जिसको संबोधित करते हुए नवनियुक्त राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉक्टर पवित्रा मोहन सामंतराय ने संगठन को मजबूती देने हेतु सक्रियता से कार्य करने की बात कही है और इस बैठक में आम सहमति से वरिष्ठ पत्रकार एवं विभिन्न पत्रकार संगठनों की संस्थापिका पुष्पा पांड्या को चेयरपर्सन के रूप में नामित किया गया है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, विपक्ष के नेता राहुल गांधी और दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने राजघाट पर महात्मा गांधी की 155वीं जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

भारत आरएंडडी समिट 2024: उद्योग-शिक्षा जगत के बीच दूरी कम करने पर जोर

॥ मनोज शर्मा ॥

फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फ़िक्की) ने नई दिल्ली में भारत आरएंडडी समिट 2024 का आयोजन किया, जिसका उद्देश्य उद्योग और शिक्षा जगत के बीच सहयोग को बढ़ावा देकर अनुसंधान और नवाचार को प्रोत्साहित करना था। इस समिट में शिक्षा जगत, उद्योग और सरकार के प्रमुख प्रतिनिधि शामिल हुए, जिन्होंने भारत में नवाचार की संभावनाओं और चुनौतियों पर चर्चा की।

इस मौके पर फिक्की ने ऐसे तकनीकी समाधानों का संकलन भी जारी किया, जो उद्योगों में व्यावसायिक उपयोग के लिए उपलब्ध हैं।

मुख्य फोकसः उद्योग-शिक्षा जगत में सहयोग

फिक्की की महानिदेशक श्रीमती ज्योति विज ने भारत में हो रहे नवाचारों की प्रगति पर प्रकाश डालते हुए, अनुसंधान की सफलता के लिए स्पष्ट परिणाम आधारित मापदंडों की जरूरत बताई। उन्होंने नवाचार के माध्यम से 'विकसित भारत' की ओर बढ़ते हुए मध्यम आय के जाल से बचने के महत्व पर जोर दिया।

डॉ. अखिलेश गुप्ता, वरिष्ठ सलाहकार, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, ने प्रौद्योगिकी के विकास में सार्वजनिक-निजी भागीदारी की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया और अनुसंधान एवं विकास में निजी क्षेत्र की बढ़ती भागीदारी का आह्वान किया।

नई शिक्षा नीति 2020 और व्यावहारिक अनुसंधानः प्रगति के उत्प्रेरक

फिक्की इनोवेशन कमेटी के सह-अध्यक्ष प्रो. सुधीर कुमार बराई ने बताया कि नई शिक्षा नीति (NEP 2020) कैसे बहुविषयक शिक्षा को प्रोत्साहित करती है और 'प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस' जैसे नवाचारों से शिक्षा और उद्योग के बीच की खाई को पाटने में मदद करती है।

इस अवसर पर श्रीमती आनंदी अय्यर, सह-अध्यक्ष, फिक्की इनोवेशन कमेटी और निदेशक, फ्राउनहोफर इंडिया कार्यालय, ने व्यावहारिक अनुसंधान मॉडल की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि फ्राउनहोफर मॉडल जैसे अनुसंधान प्रारूप नवाचारों के व्यावसायीकरण को गति प्रदान कर सकते हैं और शिक्षा जगत को उद्योग की आवश्यकताओं के साथ बेहतर तालमेल में ला सकते हैं।

समिट में 50 से अधिक अनुसंधान परियोजनाओं की प्रदर्शनी लगाई गई, जिसने यह संदेश दिया कि भारत को वैश्विक नवाचार में अग्रणी बनाने के लिए निजी क्षेत्र का अधिक निवेश और उद्योग-शिक्षा जगत के बीच विश्वास-निर्माण जरूरी है।

दिल्ली की लड़की मिसेज सपना वालिया सातवें आसमान पर हैं। वह फैशन मेराकी द्वारा हाल ही में संपन्न मिसेज इंडिया एशिया 2024 में चौथी रनर अप रहीं। क्रमशः 15 और 14 वर्ष की आयु वाले दो बच्चों की माँ, बैंक ऑफ इंडिया, फिल्लौर, पंजाब में कार्यरत हैं। ताज पहनना उनका सपना था और वह पूरा हो गया। यह पूछे जाने पर कि उन्होंने उनकी यात्रा में सहयोग करने वाले सभी लोगों को धन्यवाद दिया। उन्होंने विशेष रूप से अपने पति और बच्चों को हमेशा नई ऊंचाइयां हासिल करने के लिए प्रेरित करने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने बताया कि उनकी कहानी लाखों कामकाजी माताओं को अपने सपनों को आगे बढ़ाने और यात्रा में सभी बाधाओं पर काबू पाने के लिए प्रेरित करेगी। सपना ने अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका देने के लिए मिस्टर करण और मिसेज दिव्या शो के निर्देशकों को भी धन्यवाद दिया। उनकी जीत उनकी कड़ी मेहनत, समर्पण और उन मूल्यों का प्रमाण है जिनके लिए वह खड़ी हैं।

दिल्ली अग्रोहा विकास ट्रस्टः पारिवारिक मामलों को पंचों के बीच निपटाएं-न्यायमूर्ति पंकज मित्तल

सर्वोच्च न्यायालय के न्यायधीश न्यायमूर्ति पंकज मित्तल ने कहा है कि बहुत सारे पारिवारिक विवादों और समस्याओं को आपसी बातचीत और पंचायतों के माध्यम से निपटाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि प्राचीन भारतीय न्याय व्यवस्था में पंचों की पंचायतों के निर्णयों को सभी पक्षों व्दारा स्वीकार किया जाता था। सर्वोच्च न्यायलय के न्यायमूर्ति ने कहा कि बड़े-बुजर्गों के मार्गदर्शन में पंचायतों का गठन इसीलिए किया जाता था क्योंकि बहुत सारे पारिवारिक विवाद, संपत्ति विवाद और आपसी मुद्दों को पंचायतों के माध्यम से हल किया जाता था। दिल्ली के इंदिरा गांधी इनडोर स्टेडियम में अग्रवाल समाज द्वारा आयोजित महाराजा अग्रसेन जयंती के अवसर पर आयोजित अग्रवाल महामिलन समारोह में सर्वोच्च न्यायालय के न्यायधीश न्यायमूर्ति पंकज मित्तल मुख्य अतिथि के तौर पर सम्मलित हुए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि अदालतों के ऊपर से मुकदमों का बोझ कम करने के लिए भारतीय परिवेश के अनुसार नए मध्यस्थता कानून बनाए जाने चाहिएं। उन्होंने कहा कि देश में मौजूदा न्याय व्यवस्था अंग्रेजी शासन व्यवस्था की देन है। आजादी के बाद जिस तरह से अन्य क्षेत्रों में औपनिवेशिक व्यवस्था को बदला गया उसी की तरह कानून और न्याय के क्षेत्र में भी बदलाव जरूरी है। उन्होंने भारतीय भाषाओं में ही होने वाले अदालती कामकाज की प्रशंसा की और

उसे आम आदमी के हक की व्यवस्था बताया। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश ने कहा कि देश भर की अदालतों में 5 करोड़ से अधिक मुकदमें लंबित हैं। अगर इनका निपटारा करने के लिए एडीआर व्यवस्था और काउंसिलिंग जैसे वैकल्पिक तरीकों को अपनाया गया तो आम आदमी को बहुत बड़ी राहत मिलेगी। सुप्रीमकोर्ट के न्यायधीश ने कहा कि अग्रवंश के प्रवर्तक महाराजा अग्रसेन ने सामाजिक समरसता और समानता के पथ पर चलते हुए समाज को एक नई दिशा दिखाई।

इससे पहले दिल्ली अग्रोहा विकास ट्रस्ट द्वारा आयोजित अग्रवाल महामिलन समारोह में दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष रामनिवास गोयल, उत्तर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल नंदी, दिल्ली से लोकसभा सांसद प्रवीण खंडेलवाल, पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ हर्ष वर्धन सहित समाज के अनेक गणमान्य प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। दिल्ली अग्रोहा विकास ट्रस्ट के अध्यक्ष नन्द किशोर अग्रवाल ने बताया कि इस महामिलन सम्मेलन में अग्रवाल समाज की तरफ से मुख्यतः पांच बड़े प्रस्ताव पास किए गए। जिनका अग्रवाल समाज राष्ट्रीय स्तर पर पालन करेगा। इन प्रस्तावों में मुख्य रूप से आने वाली युवा पीढ़ी को सनातन संस्कार देकर पाश्चात्य संस्कृति के अंधानुकरण से बचाने जैसे सामाजिक फैसले भी शामिल है। कार्यक्रम में वैवाहिक समारोह में होने वाले प्री वेडिंग शूट, अंधाधुंध खर्चे और आडंबरों पर रोक लगाने पर भी सर्वसम्मति से प्रस्ताव पास किया गया। समारोह में उपस्थित लोगों ने महाराजा अग्रसेन के जन्मदिन पर राजपत्रित अवकाश घोषित करने और पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन का नाम महाराजा अग्रसेन रेलवे स्टेशन करने की मांग का प्रस्ताव भी केंद्र सरकार के समक्ष रखा। ट्रस्ट के प्रवक्ता अतुल सिंघल ने बताया कि अब इन प्रस्तावों को लागू करवाने के लिए गंभीरता से प्रयास किए जाएंगे । अग्रवाल महामिलन समारोह का समापन एक विराट कवि सम्मेलन के आयोजन के साथ किया गया जिसमें देशभर के जाने-माने कवियों ने हिस्सा लिया।

हुड्डा का बीजेपी पर पलटवार: रॉबर्ट वाड्रा को जमीन देने का सबूत दिखाएं

हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने भाजपा के आरोपों पर पलटवार करते हुए कहा कि अगर वह यह साबित कर दे कि कांग्रेस शासन के दौरान रॉबर्ट वाद्रा को एक इंच भी सरकारी जमीन दी गई तो वह राजनीति छोड़ देंगे।

भाजपा ने कहा था कि कांग्रेस ने हरियाणा में शासनकाल के दौरान किसानों की जमीन औने-पौने दामों में अपने 'दामादों' को दे दी थी। पार्टी ने कांग्रेस की नेता प्रियंका गांधी के पति और सोनिया गांधी के दामाद रॉबर्ट वाड्रा पर निशाना साधते

हुए कही थी। हुड्डा ने करनाल में संवाददाताओं से कहा, मैं उन्हें चुनौती देता हूं कि वे जमीन का ब्योरा दें। पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि भाजपा रॉबर्ट वाड्रा के बारे में झूठी बातें फैला रही है कि उन्हें जमीन दी गई है।

उन्होंने कहा, कांग्रेस ने रॉबर्ट वाड्रा को एक इंच भी सरकारी जमीन नहीं दी। मैं चुनौती देता हूं कि अगर भाजपा वाड्रा को जमीन देने का सबूत दिखाए तो मैं राजनीति छोड़ दूंगा। भाजपा 2014 में पहली बार अपने दम पर हरियाणा में सत्ता में आई थी। पार्टी ने पिछली हुड्डा सरकार के दौरान भी भूमि सौदों में कथित अनियमितताओं को चुनाव का प्रमुख मुद्दा बनाया था। यहां तक कि 2024 के विधानसभा चुनाव में भी भाजपा नेताओं ने प्रचार के दौरान इसे लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हाल ही में हरियाणा में चुनाव प्रचार के दौरान कहा था, कांग्रेस के शासन में दलाल और दामाद की तूती बोलती थी।

नेपरविले में हुआ 4 दिवसीय भारतीय अमेरिकी व्यापार मेले का आयोजन

॥ विवेक जैन ॥

इलिनोइस के नेपरविले मे भारतीय मूल के प्रमुख व्यवसायी और इंडियन अमेरिकन बिजनेस काउंसिल के चेयरमेन अजित सिंह व डीट्राइबल्स फाउंडेशन के संयुक्त प्रयासो से भारत के कारीगरों को अमेरिका में बढ़ावा देने के उद्देश्य से 4 दिवसीय स्वदेशी मेले का भव्य आयोजन किया। भारतीय अमेरिकी व्यापार मेले में विभिन्न भारतीय कलाकृतियों, हथकरघा उत्पादों, हस्तशिल्प और पारंपरिक वस्तुओं की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदर्शित की गयी और भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रदर्शन किया गया। छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री अरुण साओ, भारत के महावाणिज्य दूत सोमनाथ घोष, राष्ट्रीय भारत हथकरघा संवर्धन परिषद की विकास आयुक्त डाक्टर एम बीना, नेपरविले के मेयर स्कॉट वेहरली, कांग्रेसमैन बिल फोस्टर, कांग्रेसमैन राजा

कृष्णमूर्ति, शिकागो के एल्डरमैन डेविड मूर, इलिनोइस राज्य की सीनेटर लॉरा एलमैन, ऑरोरा की एल्डरवुमेन श्वेता बैद और ड्यूपेज काउंटी बोर्ड की सदस्य पैटी गुस्टिन सहित कई गणमान्य अतिथियों ने मेले में भाग लिया। पद्मश्री कैलाश खेर को भारतीय स्वदेशी मेले का ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किया गया। मेले में भारत के पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के पोते आदर्श शास्त्री की उपस्थिति ने इस आयोजन को सांस्कृतिक और ऐतिहासिक महत्व दिया। मेले में पद्मश्री कैलाश खेर द्वारा प्रस्तुत संगीत, हथकरघा प्रदर्शनी, गरबा और डांडिया नृत्य आदि मुख्य आकर्षण का केन्द्र रहे। डीट्राइबल्स फाउंडेशन की संस्थापक दीपाली सरावगी ने मेले में आने वाले स्वयंसेवकों, प्रायोजकों और आगंतुकों का आभार व्यक्त किया। अजित सिंह ने बताया कि 4 दिवसीय मेले में 30 हजार से अधिक लोगों ने विजिट किया और 105 से अधिक विक्रेताओं ने भाग लिया। उन्होंने कहा कि वे भविष्य में भी भारतीय और अमेरिकी व्यापार को बढ़ावा देने और दोनों देशों की संस्कृतियों का आदान-प्रदान करने और आपसी भाईचारा बढ़ाने के लिए भविष्य में भी इस प्रकार के मेलों का आयोजन करते रहेंगे। इस अवसर पर भारतीय और अमेरिकी समुदाय के हजारों लोग उपस्थित थे।

रंगसाड़ी ने भारत के पहले साड़ी खेल दिवस 2024 का आयोजन किया

डॉ निधि बंसल के गतिशील नेतृत्व के तहत, रंगसाड़ी, भारत के पहले साड़ी खेल दिवस की मेजबानी की, एक ऐसी ऐतिहासिक घटना जो आधुनिक फिटनेस और सशक्तिकरण के साथ भारतीय परंपरा को निर्बाध रूप से मिश्रित करती है। रंगसाड़ी भारतीय संस्कृति को संरक्षित और प्रचारित करने की प्रतिबद्धता के लिए प्रसिद्ध है, और यह घटना अपने निरंतर प्रयासों में एक और मील का पत्थर है।

द डेकाथलॉन स्टोर, मॉल ऑफ इंडिया में किया गया साड़ी स्पोर्ट्स डे एक ग्राउंडब्रेकिंग इवेंट है। इसमें साड़ी पहनने वाली महिलाओं की ताकत और बहुमुखी प्रतिभा का जश्न मनाने के लिए डिजाइन की गई गतिविधियों की सुविधा थी। हाइलाइट्स में रजोनिवृत्ति का सामना करने वाली महिलाओं और जीवनशैली से संबंधित स्वास्थ्य चुनौतियों का सामना करने वाली महिलाओं के लिए तैयार योग सत्र हैं। इसके अतिरिक्त, एक विशेष आत्मरक्षा कार्यशाला प्रतिभागियों को आवश्यक कौशल के साथ लैस करेगी, जबकि विभिन्न प्रतियोगिताओं और चुनौतियों को संलग्न और प्रेरित किया गया! इस लैंडमार्क इवेंट ने रेमंड जी-18 सेक्टर-18 नोएडा, बनारसी थ्रेडस, चटोरे नुक्कड़, और अनुराग्यम ब्रांडों से महत्वपूर्ण समर्थन प्राप्त किया! उनका सहयोग न केवल इस पहल के महत्व को रेखांकित करता है बल्कि भारत की समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं का जश्न मनाते हुए महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए एक साझा प्रतिबद्धता को भी दशार्ता है।

रंगसाड़ी के पास उत्सव रंगसाड़ी जैसे अभिनव और प्रभावशाली घटनाओं का आयोजन करने का इतिहास है, जो वित्तीय साक्षरता और महिलाओं के लिए स्वतंत्रता पर केंद्रित है, और साड़ी प्रीमियर लीग (एसपीएल), जहां 14 टीमों ने उन घटनाओं की एक श्रृंखला में प्रतिस्पर्धा की जो उनके प्रदर्शन को प्रदर्शित करते थे साड़ी के लिए कौशल और प्यार। रंगसाड़ी द्वारा लॉन्च की गई "कैसी धाक्कड़ है" पहल ने महिलाओं के स्वास्थ्य और पोषण के लिए समूह के समर्पण पर बल दिया।

70 प्रतिभागियों के साथ, डेकाथलॉन और रंगसर के साथ टीमों के साथ, साड़ी के खेल दिवस एक स्थायी प्रभाव छोड़ने के लिए तैयार है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य नेशनल बुक ऑफ रिकॉर्ड में एक जगह सुरक्षित करना है।

मुख्य अतिथि अंतरराष्ट्रीय पारा एथलीट श्वेता शर्मा ने सभी खिलाड़ियों को प्रोत्साहित किया।

योगा गुरु अनन्या तिवारी और कराटे ब्लैक बेल्ट मनीष सिंह ने महिलाओं को अथमरक्षक तकनीक सिखाए।

रंगसाड़ी की संस्थापिका डॉ निधि बंसल की इस असाधारण पहल में शामिल होने और समर्थन करने के लिए सभी को आमंत्रित किया ।

पापा सीएम तो मुझे मिलेगा फर्स्ट क्लास पद

॥ सतपाल ॥

देश के दक्षिणी राज्य तमिलनाडु में डीएमके पार्टी के सीएम पर अपने बेटे का जबरदस्त दबाव था कि आप मुझे डिप्टी सीएम बनाने से क्यों भयभीत हो रहे हैं। पापा आप सीएम हैं, आप जिसे चाहें कोई भी पद दे सकते हैं। इसके अतिरिक्त भी आप चाहें तो आधा दर्जन विधायकों को भी मिनिस्टर बना सकते हैं। आपको कौन सी ताकत मना कर सकती है। पापा आप अपने साहस की मिसाल पूरे दम खम से सारे तमिलनाडु को उजागर कर दें।

बेटे लेकिन मुझे तुम्हारी पुरानी टिप्पणियों से डर लगता है। हमारे राज्य के लोग इस टिप्पणी को अभी तक नहीं भूल सके, वे तो खुले आम बाजारों और मंचों पर गला फाड़कर कह रहे हैं कि उदयनिधि स्टालिन ने कहा था कि सनातनी लोग डेंगू, चिकनगुनिया तथा मलेरिया के अनगिनत मच्छर हैं। सीएम साहब ने जवाब दिया कि तुम्हें अगर मैं डिप्टी सीएम बनाता हूं तो प्रदेश के लोग सचिवालय में बड़ी संख्या में मच्छर लाकर सरकार के काम काज में बांधा खड़ी कर देंगे।

बेटे ने पापा से कहा कि आप कोई सकारात्मक उत्तर दें कि सरकार का काम बढ़ता जा रहा है, इसलिए मंत्रिपरिषद का विस्तार किया जाएगा। एक साथ चार मंत्री बनाए जाएंगे। इनमें तीन केबिनेट मंत्री होंगे और केवल एक डिप्टी सीएम, पापा किसी की हिम्मत नहीं होगी कि मंत्री क्यों बनाए गए हैं। सीएम साहब ने कहा कि मुझे मालूम नहीं था कि मेरा बेटा मुझ से भी कहीं अधिक काबिल है तो अब सरकार के काम काज की स्पीड बढ़ेगी और सीएम की और अधिक हर नगर तथा कस्बे में जय जयकार होगी।

शहीद-ए-आजम भगत सिंह जन्म दिवस समारोह

डॉलीवुड फिल्म एसोसिएशन और भीम ब्रिगेड ट्रस्ट ने मिलकर शहीद-ए-आजम भगत सिंह जी के 117वें जन्म दिवस पर एक समारोह आयोजित किया। इस कार्यक्रम में कई गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया।

इस अवसर पर समाज सेवी और डीएफए के जनरल सेक्रेटरी संजय शर्मा और भीम ब्रिगेड ट्रस्ट के अध्यक्ष राजीव खोसला ने प्रेस से बातचीत करते हुए बताया कि कलाकारों की प्रस्तुति ने सबके दिलों में राष्ट्रप्रेम की भावना को गतिमान कर दिया।

इस कार्यक्रम में पद्मश्री जितेंद्र सिंह शांति, पूर्व नायधीश श्री ओम प्रकाश सप्रा, सुप्रीम कोर्ट अधिवक्ता, बार एसोसिएशन के सचिव रोहित पांडे और स्वतंत्रता सेनानियों का विशेष योगदान रहा।

शहीद भगत सिंह की जीवनी और उनके क्रांतिकारी आंदोलन के बारे में जानने के लिए, यहाँ कुछ महत्वपूर्ण बिंदु हैं:

- जन्म: 27 सितंबर, 1907
- निधन: 23 मार्च, 1931
- उपलब्धियां: भारत के क्रांतिकारी आंदोलन को एक नई दिशा दी, पंजाब में क्रांति के संदेश को फैलाने के लिए नौजवान भारत सभा का गठन किया।

उर्दू बुक रिव्यू ने अपनी वेबसाइट लॉन्च की है, जिसका उद्देश्य उर्दू भाषा को आधुनिक बनाना और शोध जागरूकता बढ़ाना है। उर्दू बुक रिव्यू कार्यालय में लॉन्च इवेंट के दौरान एडिटर मुहम्मद आरिफ इकबाल ने इस पहल को उजागर किया। मेहमानों का स्वागत करते हुए, जिनमें प्रेस क्लब ऑफ इंडिया के अध्यक्ष गौतम लाहिड़ी भी शामिल थे, इकबाल ने उर्दू बुक रिव्यू के उद्देश्यों और सेवाओं के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि यूजीसी केयर लिस्ट में शामिल होने के बाद यूजीसी के विशेष अनुरोध पर वेबसाइट विकसित की गई है। इकबाल ने उपस्थित लोगों को आश्वस्त किया कि वेबसाइट को समय के साथ और बेहतर बनाने के प्रयास जारी रहेंगे। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता गौतम लाहिड़ी ने की, जिन्होंने इस पहल का समर्थन किया। प्रमुख उपस्थित लोगों में वरिष्ठ पत्रकार ए.यू. आसिफ, प्रेस क्लब ऑफ इंडिया के निदेशक; राष्ट्रीय उर्दू भाषा प्रमोशन परिषद के पूर्व निदेशक डॉ. इरतजा करीम, डीडी न्यूज के पूर्व उप निदेशक इदरीस शाहजहांपुरी और सहायक निदेशक डॉ. शाहिद अली खान शामिल थे।

राम-रावण का युद्ध

उत्सव है विजयादशमी

शारदीय वातावरण शक्ति उपासना से पवित्र होकर विजयादशमी का पथ प्रशस्त करता है। यह केवल एक पर्व या उत्सव भर नहीं है, बल्कि असत्य पर सत्य की, बुराई पर अच्छाई की, तमस पर प्रकाश की और निशाचरी प्रवृत्तियों पर सतोगुणी आचरण की विजय गाथा है। भगवान राम की रावण पर विजय कथा मात्र अतीत की अमर कथा भर नहीं है, बल्कि यह वर्तमान के उत्तर लिखती हुई भविष्य की दिशा सूचक कथा भी है। विजयादशमी के मूल में भगवान राम और रावण का युद्ध है। इस पर बात करने से पूर्व कुछ बात माया और मायावी की भी आवश्यक है। भारतीय आध्यात्मिक चिंतन ने सृष्टि के अस्तित्व में माया की भूमिका को बहुत अधिक महत्त्व दिया है, क्योंकि माया ही सृष्टि के विस्तार को संभव करती है। दर्शन का एक हिस्सा इस सृष्टि को एक महाभ्रम की तरह मानता है और माया के हटते ही सृष्टि के अस्तित्व का भी लुप्त हो जाना इस चिंतन के केंद्र में है। कबीर ने माया को महाठगिनी कहा तो उनके इस कथन के मूल में भी माया की भ्रम विस्तारक भूमिका ही है। लेकिन इसी माया को भारतीय चिंतन ने बहुत सम्मान भी दिया गया है। श्रीरामचरितमानस में जब ब्रह्म साकार होकर मनु और शतरूपा को वरदान देते हैं कि वे पुत्र रूप में उनके घर आएंगे तो वे अपने वरदान में यह भी जोड़ देते हैं कि उनके साथ-साथ माया भी आएंगी। तुलसी दास जी ने इसे वर्णित करते हुए कहा:

आदि सक्ति जेहि जग उपजाया।
सोउ अवतरिहि मोरि यह माया।।

भारतीय चिंतन ने माया को आदि शक्ति होने का सम्मान भी दिया है और इसके अस्तित्व को श्रद्धा के साथ स्वीकार भी किया है। लेकिन यही माया सृष्टि के विस्तार के लिए सत, रज और तम के गुण-अवगुण को साधती है तो तमोगुण से एक शब्द प्रकट होता है-मायावी। वैसे तो मायावी शब्द माया का विस्तार ही लगता है, लेकिन अपनी तमोगुणी वृत्ति के कारण यह शब्द शुभ के विरुद्ध खड़ा होता है और जाकर जुड़ता है राक्षस राज रावण और उसकी निशाचरी शक्तियों से। क्या है यह मायावी विस्तार, जिसे खत्म करने के लिए स्वयं ईश्वर को अवतार लेना पड़ता है और कैसे राम-रावण युद्ध में यह मायावी माया वह रचती है, जिसकी केवल अभी कल्पना ही की जा रही है?

भगवान राम और रावण के महायुद्ध में कुंभकर्ण और मेघनाद की मृत्यु के बाद जब रावण युद्धरत होता है तो कुछ समय बाद वह पाता है कि अब वह लगभग अकेला है, क्योंकि उसकी निशाचर सेना का अधिकांश हिस्सा मृत्यु की गोद में जा चुका है। ऐसे में रावण तत्पर होता है उस मायावी युद्ध के लिए, जहां सब कुछ मायावी खेल है। तुलसी दास जी ने इस प्रसंग को आरंभ करते हुए कहा:

रावण हृदय विचारा भा निसिचर संघार
मैं अकेल कपि भालु बहु माया करौ अपार।।

अकेला रावण इस युद्ध में जो कुछ रचता है, वह अभी तो उन्नत विज्ञान के लिए भी संभव नहीं है। रावण के मायावी विस्तार में सब कुछ आभासी था। जिसे हम वर्चुअल कहते हैं, लेकिन रावण रचित आभासी संसार इतना अद्भुत था कि हर कोई उसकी इस मायावी रचना के प्रभाव में आ जाता है। वह शुरूआत करता है श्रीराम और लक्ष्मण जी की अनेक आभासी छवियों के निर्माण से। वानर और भालुओं के समक्ष अनेक राम व लक्ष्मण थे और वे रावण की सेना में खड़े थे। यहां से तो केवल शुरूआत होती है। रावण के जितने सिर कटते हैं, वे आकाश में छा जाते हैं, फिर रावण स्वयं को ही असंख्य रूपों में प्रकट करता है और प्रत्येक वानर अथवा भालू के सामने लड़ने के लिए एक रावण मौजूद हो जाता है। युद्ध के अंत में तो जब वह अपनी मायावी शक्ति का विस्तार करता है तो देवता तक भयभीत हो जाते हैं। वह मायावी विस्तार इतना भयंकर था कि तुलसी दास जी ने इस वर्णन को समाप्त करते हुए कहा कि सैकड़ों शेष, सरस्वती और कवि यदि इसे अनेक कल्प तक गाते रहें, तब भी इसका वर्णन संभव नहीं होगा।

वह एक अद्भुत युद्ध था, जिसे रावण ने अपनी मायावी शक्तियों के सहारे लड़ा, लेकिन अंततः पराजित हुआ। भगवान राम की विजय ने हमारे लिए एक पर्व रचा है, जिसे याद करते हुए हम रावण का पुतला दहन करके उस महान विजय के प्रति अपनी श्रद्धा प्रकट करते हैं। लेकिन अतीत की वह विजय वर्तमान और भविष्य के कुछ प्रश्न भी हमारे समक्ष रख रही है। मनुष्य जाति सभ्यता के उस पड़ाव पर खड़ी है, जहां से आगे बढ़ने के लिए वह आभासी संसार को एक समाधान के रूप में देख रही है। एक स्तर तक आभासी संसार मनुष्य के जीवन में प्रवेश भी कर चुका है और महत्वपूर्ण भूमिका भी निभा रहा है। लेकिन इस आभासी संसार में मनुष्य स्वयं कहां खड़ा है? मनुष्य का मनुष्य से, मनुष्य का प्रकृति से, मनुष्य का स्वयं से और मनुष्य का परम चेतना से संबंध क्या अब भी शेष है? आभासी संसार में समाधान ढूंढ़ती मनुष्य जाति क्या एक ऐसा संसार संभव करने जा रही है, जिसमें सबसे अधिक उपेक्षित और कमजोर स्वयं मनुष्य होगा?

मानव सभ्यता का विकास हुआ तो मनुष्य महाबली बना, लेकिन वही मनुष्य अब एक ऐसा संसार रचने जा रहा है, जो अद्भुत शक्तिशाली तो लगेगा, लेकिन इसमें मनुष्य जाति अपना सब कुछ खो देगी। रावण ने राक्षस सभ्यता का विस्तार किया और मायावी सामर्थ्य ने उसे अपराजेय बना दिया, लेकिन भारतीय चिंतन कहता है कि पृथ्वी ने ईश्वर से प्रार्थना की और कहा कि वह मनुष्य रूप में आए, ताकि मनुष्य जाति अपना खोया हुआ सामर्थ्य पा सके। विज्ञान का विस्तार यदि मनुष्य का रिश्ता मनुष्य, प्रकृति, स्व और परम चेतना से समाप्त करके उसे किसी आभासी संसार में ले जा रहा है तो विजयादशमी पर हमें याद भी करना है और संपूर्ण विश्व के समक्ष उस कथा को दोहराना भी है, जो मनुष्य के सामर्थ्य को सबसे ऊंचे शिखर पर स्थापित करती है। जहां ईश्वर मनुष्य रूप में आकर उस मायावी विस्तार को नष्ट करते हैं, जो मनुष्य से उसका संपूर्ण सामर्थ्य ही छीन चुका था।

संकलन: ज्योति राठौर

- गणेश जी को तुलसी न चढ़ाएं
- देवी पर दुर्वा न चढ़ाएं
- शिव लिंग पर केतकी फूल न चढ़ाएं
- विष्णु को तिलक में अक्षत न चढ़ाएं
- दो शंख एक समान पूजा घर में न रखें
- मंदिर में तीन गणेश मूर्ति न रखें
- तुलसी पत्र चबाकर न खाएं
- द्वार पर जूते चप्पल उल्टे न रखें
- दर्शन करके वापिस लौटते समय घंटा न बजाएं
- एक हाथ से आरती नहीं लेना चाहिए
- ब्राह्मण को बिना आसन बिठाना नहीं चाहिए
- स्त्री द्वारा दंडवत प्रणाम वर्जित है
- बिना दक्षिणा ज्योतिषी से प्रश्न नहीं पूछना चाहिए
- घर में पूजा करने अंगूठे से बड़ा शिवलिंग न रखें
- गर्भवती महिला को शिवलिंग स्पर्श नहीं करना है
- स्त्री द्वारा मंदिर में नारियल नहीं फोडना है
- रजस्वला स्त्री का मंदिर प्रवेश वर्जित है
- परिवार में सूतक हो तो पूजा प्रतिमा स्पर्श न करें
- शिव जी की पूरी परिक्रमा नहीं की जातो
- शिव लिंग से बहते जल को लांघना नहीं चाहिए
- एक हाथ से प्रणाम न करें
- दूसरे के दीपक में अपना दीपक जलाना नहीं चाहिए
- चरणामृत लेते समय दायें हाथ के नीचे एक नैपकीन रखें ताकि एक बूंद भी नीचे न गिरे
- चरणामृत पीकर हाथों को शिर या शिखा पर न पोछें बल्कि आंखों पर लगायें शिखा पर गायत्री का निवास होता है उसे अपवित्र न करें
- स्त्री द्वारा हनुमानजी शनिदेव को स्पर्श वर्जित है

मेष: इस राशि वाले जातकों के लिए जून का सप्ताह सामान्य रहेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में बढ़ोतरी होगी अपनी ऊर्जा का इस्तेमाल किसी मुश्किल में फँसे इंसान की मदद करने के लिए करें। नए विचार और नई सोच के साथ नए कार्यो का सृजन होगा। धन का उपयोग व्यर्थ के कार्यों में न करें वरना आगे समस्या आ सकती है।

वृषभ: वृष राशि वालों के लिए यह समय सामान्य नहीं रहने वाला है। कोई ऐसा जिसपर आप यकीन करते हैं आपको पूरा सच नहीं बताएगा। सारे तथ्यों को जानने के लिए थोड़ी छानबीन जरूरी है लेकिन अगर आप गुस्से में कोई कदम उठाएंगे तो उससे आपके संबंध खराब हो सकते हैं। अचानक यात्रा से तनाव का शिकार हो सकते हैं।

मिथुन: इस राशि वालों के लिए यह सप्ताह मध्यम रहने वाला है। रुके हुए कार्यो में सफलता मिलेगी। घर में किसी नन्हे मेहमान के आने से घर का माहौल हर्ष और उल्लास से भरा रहेगा। जातक हर कार्य को बहुत ही चतुराई पूर्वक करेगा जिससे लोग आश्चर्यचकित हो सकते है । भाग्य के भरोसे न बैठे। सप्ताह के अंत में हालात अच्छे बनेगे।

कर्क: इस राशि वाले जातकों के लिए यह सप्ताह अच्छा रहेगा । पिता का सहयोग आपके जीवन में परिवर्तन लाएगा परीक्षा की तैयारी करने वाले जातकों के लिए सफलता पाने का यह सामान्य अवसर। घर में किसी नन्हे मेहमान के आने से घर का माहौल हर्ष और उल्लास से भरा रहेगा।

सिंह: यह सप्ताह बहुत सामान्य रहेगा। आप महसूस करेंगे कि आस-पास के लोग बहुत ज्यादा मांग करने वाले हैं। लेकिन जितना आप कर सकते हैं, उससे ज्यादा करने का वादा न करें और केवल दूसरे को खुश करने के लिए खुद को तनाव से नहीं थकाएँ। छात्रों को घूमने-फिरने का मौका मिलेगा। व्यय पर नियंत्रण रखें वरना परेशानी में पद सकते है।

कन्या: यह सप्ताह समान्य नहीं रहने वाला है। गृहस्थी के कार्यों में थोड़ी सी प्रगति हो सकती है। परिवार में किसी की बात से आपका मन दुखी हो सकता है। जमीन-जायदाद में कुछ अड़चने आने की आशंका है। आनवश्यक लोगो से घनिष्टता न बढाएं। आर्थिक पक्ष कमजोर हो जायेगा। मधुमेह की समस्या से जूझ रहे लोगो को कुछ आराम मिलेगा।

तुला: यह सप्ताह सामान्य रहेगा। न्याय से जुड़े लोगों को कुछ राहत मिलेगी। अनावश्यक व्यस्तता बनी रहेगी। पारिवारिक रिश्तों में मधुरता आयेगी। तार्किक बताओ से लोग आपसे प्रभावित होंगे। शत्रु भी आपके बढ़ेंगे लेकिन उनसे कोई नुकसान नहीं पहुँचा पाएंगे। इस इस समय आमदनी के नए मार्ग खुलेंगे।

वृश्चिक: इस राशि वालों के लिए यह समय अच्छा रहेगा। किसी विपरीत लिंग के सहयोग से आपको लाभ प्राप्त हो सकता है। आपके घर किसी खास मित्र के आने से आपको लाभ प्राप्त होगा। आपका आकर्षक बर्ताव दूसरों का ध्यान आपकी तरफ खींचेगा। मौज-मस्ती की यात्राएं और सामाजिक मेलजोल आपको खुश रखेंगे और सुकून देंगे।

धनु: आपके लिए यह सप्ताह मध्यम ही रहने वाला है। सन्तान की ओर से शुभ समाचार मिलने के संकेत है। वाहन, मकान आदि खरीदने वाले लोगों की मुराद पूरी हो सकती है। रोजाना की आवश्यकताओं की पूर्ति होगी। किसी महिला के सहयोग से कोई कार्य पूर्ण होगा। इस सप्ताह आपकी आमदनी मे धीमी प्रगति रहेगी। खान पान संयमित रखे।

मकर: इस राशि वाले जातकों के लिए यह सप्ताह सामान्य कहा जा सकता। अपने जीवनसाथी को महसूस होने दें कि आप उनका खयाल रखते हैं। उनके साथ सामान्य वक्त बिताएँ और शिकायत करने का मौका न दें। आपको महसूस हो सकता है कि आप अपना दिन बर्बाद कर रहे हैं। इसलिए अपने दिन की योजना बेहतर तरीके से बनाएँ।

कुंभ: इस राशि वालों के लिए यह सप्ताह ठीक नहीं रहेगा। हर बात दिल से न जोड़े। बेवजह किसी से न उलझे अन्यथा परिणाम नाकारत्मक ही मिलेगा। इधर उधर के कामो में अपना समय बर्बाद न करे। आपके कार्यो में निरन्तरता की कमी रहेगी जिससे बनते कार्य बिगड़ सकते है। जातक अपने जीवन साथी के रोग से चिंतित रहेगा।

मीन: यह सप्ताह सामान्य रहने वाला है। जिनसे आप प्यार करते हैं, उनसे आज सारी गलतफहमी दूर हो सकती है। प्रबल इच्छा शक्ति में वृद्धि होगी। अपने लोगों के द्वारा सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आफिस वाले लोग अपनी महिला कर्मचारी से सावधानी बरतें वरना बेवजह बदनामी हो सकती है। रुके हुए पैसे मिलने से आर्थिक स्थिति में मजबूती आएगी।

पानी के अंदर बसे हैं दुनिया के अनोखे होटल

अक्सर जब हम कहीं घूमने जाते हैं तो किसी होटल में ठहरते हैं। दुनियाभर में सस्ते-महँगे हर तरह के होटलों की भरमार है। कई होटल बजट फ्रेंडली होते हैं जिनमें ठहरने का खर्चा बहुत ज्यादा नहीं होता। वहीं कुछ ऐसे महंगे और आलिशान होटल भी होते हैं जहाँ एक दिन का किराया ही लाखों में होता है। आपने कई मशहूर और महंगे होटलों के बारे में सुना होगा और शायद ठहरे भी हों। लेकिन क्या आप जानते हैं कि दुनिया में कई ऐसे होटल भी हैं जो जमीन पर नहीं बल्कि पानी के अंदर बनें हैं। जी हाँ, ऐसे कई अंडरवाटर होटल हैं जो समुद्र के अंदर बने हैं। पानी के बीच बने इन होटलों में रुककर आप समुद्र के सुंदर नजारे का मजा ले सकते हैं। इन खूबसूरत और आलिशान होटलों में रहने के साथ-साथ कई तरह की सुख-सुविधाएं भी उपलब्ध होती हैं। इस लेख में हम आपको दुनिया के ऐसे होटलों के बारे में बताने जा रहे हैं जो पानी के अंदर बनें हैं। यहाँ ठहर कर आप समुद्री जीवन को करीब से देख सकते हैं और उसका आनंद ले सकते हैं

● स्वाति चतुर्वेदी

पोजेडॉन रिजॉर्ट, फिजी

दुनियाभर में अपनी खूबसूरती के लिए मशहूर फिजी देश में भी अंडरवाटर होटल बना हुआ। समुद्र के 40 फीट नीचे बने इस आलिशान होटल में 22 कमरे, एक रेस्टोरेंट और एक बार भी है। इसके साथ ही यहां लाइब्रेरी, कॉन्फ्रेंस रूम, बैंक्वेट हॉल और स्पा सुविधाएं भी मौजूद हैं। इस होटल के कमरे से आप विशाल समुद्री जीवन और सुंदरता का आनंद ले सकते हैं। इस होटल के कमरे से आपको ब्लू व्हेल्स, बॉटल नोज डॉल्फिन और रंग बिरंगी काउनफिश देखने को मिल सकती हैं।

क्रिसेंट हाइड्रोपॉलिस, दुबई

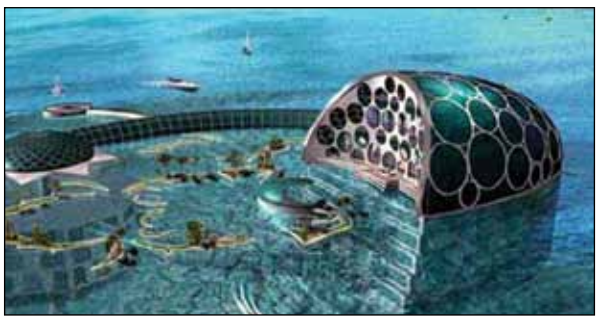

क्रिसेंट हाइड्रोपॉलिस दुबई का सबसे मशहूर अंडरवाटर होटल है। इस अंडरवाटर होटल की गहराई 60 फीट है। इस खूबसूरत होटल की बिल्डिंग ग्लास की बनी हुई है जिससे बाहर समुद्र की सुंदरता आसानी से देखी जा सकती है। यह आलिशान होटल बहुत महंगा है इसलिए यहाँ ज्यादातर सेलेब्रिटीज और रॉयल फैमिलीज ही ठहरती हैं। इस होटल में डाइनिंग एरिया, मीटिंग हॉल और इनडोर गेमिंग एरिया समेत बहुत सी सुविधाएं हैं। इस होटल से समुद्र में मौजूद मछलियों, कछुए और अन्य जीव आसानी से देखे जा सकते हैं।

हुवाफेन फुशी, मालदीव

यह मालदीव का अंडरवाटर होटल है। पानी के अंदर बना यह होटल बेहद सुंदर है और यहाँ से समुद्र का खूबसूरत नजारा देखने को मिलता है। इस होटल की खासियत यह है कि इसे बहुत ही अच्छे ढंग से डिजाइन किया गया है। इस होटल में स्पा से लेकर इनडोर गेमिंग एरिया तक हर तरह की सुविधाएं मौजूद हैं। यहाँ से समुद्र का नजारा और भी ज्यादा खूबसूरत लगता है।

द शिमाओ, चीन

चीन के द शिमाओ होटल को गुफा होटल के नाम से भी जाना जाता है। ये होटल चीन के सोंगजियांग में पहाड़ों के बीच बना हुआ है। इस होटल में 19 मंजिले हैं और यह होटल पानी के 100 मीटर अंदर तक बना हुआ है। चीन के इस आलिशान अंडरवाटर होटल में 380 कमरे हैं। यह होटल ब्रिटेन की डिजाइनिंग फर्म एटकिन्स द्वारा डिजाइन किया है।

मान्ता मांटा रिजॉर्ट, अफ्रीका

अफ्रीका का मांता रिजॉर्ट भी समुद्र के कई फीट अंदर बना हुआ है। यह अफ्रीका का पहला अंडरवाटर रिजॉर्ट है। पाम्बा आईलैंड पर बने इस होटल में तीन मंजिले हैं। इस खूबसूरत रिजॉर्ट में कई छोटे-छोटे कमरे और सुविधाएं मौजूद हैं। इस रिजॉर्ट के कमरे में बैठकर समुद्र में तैरती रंग-बिरंगी मछलियाँ और खूबसूरत नजारा देख सकते हैं।

अध्यात्म- चिकित्सा संगम
ज्ञान सरोवर- माउंट आबू

ब्रह्मकुमारीज ईश्वरी विश्वविद्यालय के सांनिध्य में एक मन तन और चिकित्सा के ऊपर राष्ट्रीय पचासवां अधिवेशन आयोजित किया गया। इस अधिवेशन में लगभग 500 से अधिक विभिन्न क्षेत्र के डॉक्टरों ने और प्रतिनिधियों ने भाग लिया। आज हमारी जीवन शैली के रोग देश में एक महानारी के रूप फैल रहे ब्लड प्रेशर, दिल का दौरा, गोटापा, अवसाद, नानसिक चिंताएं, ये राब मनुष्य को इरा से जकड़ रखा है। इसीलिए आवश्यकता इस बात की है की हम इन बीमारियों से बचने के विचार बिहार और आहार को संतुलित करें तभी हम सवस्थ रह सकते हैं। इस गोष्ठी का आयोजन ब्रह्मकुमारीज केनेडिकल विंग के राज चिकित्सा अनुसंधान फाउंडेशन ने किया था। ज्ञान सरोवर ये माउंट आबू की पहाड़ी परिस्थित। प्रकृति के अंचल में बसा हुआ एक ऐसा स्थान है जो ज्ञान। वाणी जो ज्ञान से है। इसके प्रांगण में गुस्से ही आपको अलौकिक शांति और एक नई ऊर्जा का आभास होता है साढ़े 3:00 बजे से ही मंत्र शुरू हुआ। उसके बाद सुबह साढ़े 6:00 बजे से दूसरे हारमनी भवन में ही एक राज योग के बारे में प्रवचन दिया गया।

आज के इस आधुनिक युग में राजयोग सीखने की बड़ी आवश्यकता है क्योंकि प्रत्येक व्यक्ति चिंता से ग्रस्त है, अवसाद से ग्रस्त है और उसको इससे सफल जीवन। शापन के लिए सुख शांति थी की इच्छा भी रखता और सुकशांत उसके जीवन का अनिवार्य अंग है। राजयोग को समझने से पूर्व योग शब्द का अर्थ जानना आवश्यक होगा।

योग का आध्यात्मिक अर्थ आत्मा का मिलन या जोड़ परमात्मा के साथ आत्मा और परमात्मा का मिलन सर्वश्रेष्ठ होने के कारण इसे राज योग कहते हैं राजयोग सभी युगों का राजा है स्वयं परमात्मा ही अपना परिचय देकर आत्मा के अपने साथ योग लगाने की विधि बताते हैं ये योग राजयोग इसलिए भी कहा गया है क्योंकि इसका शिक्षक सर्वश्रेष्ठ योगेश्वर स्वयं पर मातम है इस योग द्वारा हमारे संस्कार उच्च अथव रॉयल बनते है इसलिए राज्य योग कहा जाता है।

तत्पश्चात सुबह 9:00 बजे से मन तन और चिकित्सा का अधिवेशन का विधिवत मंत्रो द्वारा कर उसका शुभारंभ किया गया। औपचारिक रूप से और पहले सत्र में ही डॉक्टर सचिन द्वारा किस तरह हम अध्यात्म द्वारा योग द्वारा सहेल ? सहज योग सहज सहज तरीके से अपने मन को शांत कर अपनी कफी रोगों से और बीमारियों से अपने को बचाव कर सवस्थ सुखी नहीं रह सकते, बल्कि आपने आसपास के वातावरण को भी शांति और प्रसन्नचित बनाए रखते हैं। कार्यक्रम का संचालन ब्रहमकुमारी सुश्री मोनिका गुप्ता ने किया। उनकी अपनी वाणी, उनका व्यवहार, उनका ज्ञान अद्भुत और उन्को कार्यक्रम के संचालन में जो सहजता, सरसता, समरसता। सघनत सजगता द्वारा प्रभावशील प्रसतुतीकरण किया।

दूसरे दिन सुबह साढ़े छह से आठ का जो कर्यक्रम था जो विशेष आकर्षण केंद्र रहे। डॉक्टर मोहित गुप्ता द्वारा था, जिन्होंने तन–मन को और अपने विचारों को शुद्ध रखते हुए किस तरह मस्तिष्क को और मन को नियंत्रित में रख इन असाध्य रोगों की भी निराकरण कर सकते हैं।

डॉक्टर मोहित गुप्ता ने अपना पुस्तक सुंदरी कहानी से शुरू किया, जिसके दो पहलू थे। उन्होंने बताया कि बहुत बड़ा प्रसिद्ध लेखक था उसने सेवानिवृत्त होने के बाद नए वर्ष में एक डायरी लिखी पैन लिखा और लिखा कि पिछले वर्ष में रिटायर हो गया। मुझे कुछ समय बाद अपने गॉलब्लेडर का ऑपरेशन कराना पड़ा। उसके कुछ समय बाद ही मेरी माता का देहांत हो गया और मेरे बेटे का मेडिकल एग्जैननेशन का एम बी बी एस था वो नहीं दे पाया उसका सीरियस अक्सीडेंट हो गया कितना खराब वर्ष निकला। जैसे ही हो खत्म कर रहा था तो पीछे से उसकी पत्नी आई।

तो उसके बाद उनकी पत्नी ने देखा पड़ा और चुपचाप चली गई। 15 मिनट बाद वो आयेंगे तो उन्होंने लिखना शुरू किया की पिछला वर्ष। मेरे पति के लिए बहुत अच्छा था क्योंकि उनको इतना वर्षों से पेट का दर्द था , उससे मुक्ति मिल गई क्योंकि उनका गॉलब्लेडर का ऑपरेशन हो गया। और भगवान की प्रार्थना है कि इतने में महीने सघन और सरकारी और नौकरी करने के बाद वो तेरे पति लगभग 45 वर्षों की सफल नौकरी के बाद वो रिटायर हो गए। और अब मेरे पति के पास समय है ताकि वो अच्छा कुछ सामाजिक कार्य और लेखन का कार्य कर सके। उसी वक्त 95 वर्ष के आयु में मेरी सास ब्रह्मलीन हो गयी। और उसी वक्त भगवान की कृपा से रहे के हमारा बेटा एक बहुत ही भयंकर कार दुर्घटना है . बाल बाल बच गया। बहुत नुकसान हुआ था , लेकिन बेटे को हमारे को खरोंच नहीं आई। अंदर उन्होंने आर्थिक शब्द लिखा कि पिछला वर्ष हमारे लिए अभूतपूर्व आ रहा हूँ। पिछले वर्ष पिछले वर्ष हमारे लिए अभूतपूर्व वरदान लेकर साबित हुआ और हम भगवान को धन्यवाद देते हैं और अब भगवान की कृपा से हम स्वस्थय लेखक ने गर्व यह पत्रदान ने तो वो मुस्कुराने लगा और भावनाओं से बहते हुए उसके गांव उसके आंसू निकल पड़े तो उस उसकी पत्नी ने कहा कि देखो एक जीवन में एक ही चीज के दो पहलू हैं। हमारे हम अपने सोच को पाँच नहीं आने दें और सकारात्मक अगर सोव रखेंगे तो सफलता हमारे चरण चुमेगी।

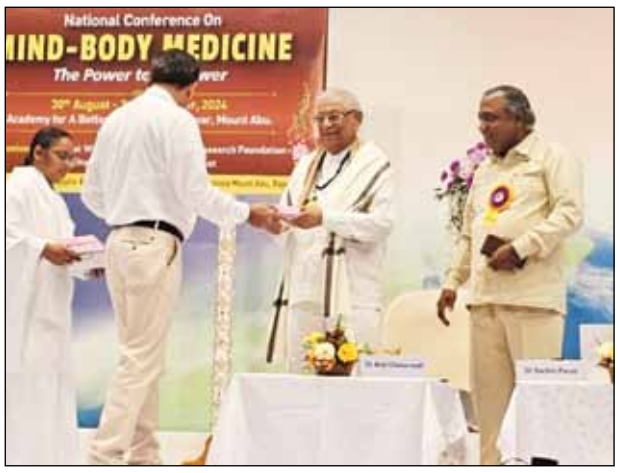

डॉक्टर मोहित गुप्ता ने बताया कि कल शब्दों या गन का गनुष्य बुद्धगान होता है। रांत गोन रहते हैं , बुद्धमान बोलते हैं और मूर्ख बहस करते हैं।

साथ ही डॉक्टर गुप्ता ने फिर एक उदाहरण दिया एस्टेमेटिक्स ये ग्रीक केक आदमी। ग्रीक का इंसान थे जिन्होंने न्यू यॉर्क में जाके बस गए और करीब 1900 तैतालीस में बस गए थे वहाँ 1976 में इनको खांसी हुई , कुछ कमजोरी हुई और वे डॉक्टर के पास गए तो डॉक्टर ने उनसे कहा कि आपके। लंग लें या फेफड़े में कैंसर हो गया है और आप छह महीने से ज्यादा नहीं जीवित रह सकते तो एस्टिमेटेड मोराइटिस थोड़े निराश हुए। घर आए तो उन्होंने सोचा कि अमेरिका में कैंसर का इलाज बड़ा महंगा है। और दोनों इन्होंने इनकी पत्नी ने डिसेंड किया कि ये ग्रीस में जाके अपने जो शहर है और जो गांव हैं तो एक आरा एक जगह है वहाँ ग्रीस में वहाँ अपने एकांत में वहाँ चले गए। और करीब एक हफ्ते तक तो ये बिस्तर पे ही पड़े रहे। थोड़ा जुइस वगैरा फ्रूट्स वगैरह खाते रहे। फिर इजको लगा के मैं मेरे दादाजी एक पास के चर्च में पादरी थे तो दूसरे दिन से उन्होंने चर्च में जाना शुरू किया और कुछ फल फूल और जो वहाँ के प्राकृतिक साधन थे। फूल , फ्रूट्स , ड्राई फ्रूट्स और जुड्स वो उन्होंने पीना शुरू किया करीब दो तीन हफ्ते बाद उन्हें लगा के वो पहले से स्ट्रांग हैं और घर में थोड़ा सा चल फिर सकते हैं तो उन्होंने अपने में। कुछ पेड़ पौधे और ऐसे माँधे फ्रूट्स लगाए जिससे की वो वाइन लगा सकते हैं। टाइन बनाना शुरू किया और धीरे धीरे वो करीब 323 महीने में इतने स्वच्छ हो गए। उनकी भूख बढ़ गई के टो पहाड़ी पे स्थित चर्चा चर्च में भी स्वयं पैदल जाने लगे। धीरे धीरे उनको क्योंकि वो सबस्य वातावरण में थे। स्वच्छ वायु का सेवन कर रहे थे वे। जीटेबल फुड्स स्पाइस और मिर्च मसाले। सात्विक भोजन , सात्विक जीवन और उनके विचारों में थोड़ी शुद्धता भी थी और प्रकृति के सारे साधन उनको उपलब्ध है तो कोई बिना दवाई के धीरे धीरे धीरे उनमें इतनी ताकत आ गई उन्होंने 400 से ज्यादा वाइन के पेड़ लगाए और विनय गार्ड खोले और करीब पांच 6 साल बाद वो धीरे धीरे अपना सामान्य जीवन व्यतीत करने लगे। उनको बिमारी हुई थी और 2014 में वो लगभग 102 वर्ष के थे। तब तक जिंदा रहे और नॉर्नल अपने जीवन सामान्य जीवन व्यस्त करते रहे। तो डॉक्टर गुप्ता ने ये उदाहरण देकर का यह बताया कि अगर हम अपनी जीवन शैली को परिवर्तित कर दें प्राकृतिक साधन भरपूर खनीज लवण फल , फूल और मिलिटरिया ग्रीक आहार लें जिसमें मछली है जिसमें प्राकृतिक फूल होते वाइन का सेवन करके रुक जाओ , रुक जाओ। सेवन कर रहे हैं तो इससे आदमी सवस्थ रह सकता हैं और वो जब दोबारा अमेरिका गए डॉक्टर को दिखाना है। 102 वर्ष की अवस्था में तो पता लगा की जीतने भी डॉक्टर ने उनको देखा था। वो सब स्वयं ईश्वर सुधार चुके थे। तो अगर आदमी ने दृढ़ संकल्प हो , जीने की तमन्ना हो और उसी के अनुसार अपना आचरण , व्यवहार और जीवन शैली प्रतीत कर दे तो जीस व्यक्ति को कैंसर हो गया और डॉक्टर ने केवल कुछ महीने की मोहलत दी थी उनको वो उसके बाद भी 102 वर्ष तक जिन्दा रहे। ये एक ऐसा उदाहरण है जो सबके लिए प्रेरणा का स्रोत है। इसी तरह डॉक्टर गुप्ता ने नॉर्मल। कज़िन्स की कहानी सुनाई। नॉर्मल कज़िन्स भी एक बहुत बड़े पत्रकार थे , अमेरिका में रहते थे। उनको एक बिमारी हो गई एंकरलाइजिंग जिससे वो इधर करवट ले सकते थे , उधर करवट ले सकते थे और वो बिस्तर पे करवट लेने में भी उनको किसी को सहारे की जरूरत पड़ती थीं और एक अयंकर पीड़ा से कष्ट में दर्द रोकने के लिए उनको मॉर्फिन के इन्जेक्शन दिए जाते थे। तो ऐसे उन्होंने कहा कि ये तो ऐसा जीवन जीने से क्या फायदा तो 1 दिन उन्होंने कुछ सोचा कि मैं अपना जीवन तो उन्होंने एक किताब पढ़ रहे थे तो किताब में एक। कहीं हास्य का व्यंग्य कुछ पुट था तो किताब पढ़ते पढ़ते वो थोड़ा सा लगे तो जब उन्होंने ये देखा की जब वो हंस रहे थे तो हंसने से तो उनको शरीर का दर्द या पीड़ा कुछ कम हुई तो उन्होंने शाम को भी को एक किताब पढ़ी , 15 मिनट तो फिर हँसी रात को भी सोने से पहले किताब पढ़ी , फिर हंसना लगे और वो नियमित रूप से धीरे धीरे धीरे उस किताब के पहले अगर दो पेश पढ़ते थे तो पांच पेश पढ़ने लगे और आठ घंटा एक घंटा दो घंटा तो रोजाना उस किताब को पढ़ते यहाँ से हस्ते जाते उन्होंने करीब एक महीने में इतनी उनकी स्थिति ऐसी हो गयी की वो दिन में तीन उर्फ हस्ते थे एक 1 घंटे , दो 2 घंटे और हंस हंसते ही वो इतने सवस्थ हो गए कि वो चलने फिरने लगे और उनको डॉक्टर की कोई जरूरत बिना दवाई के जीस आदमी को सोचे। पैंथरिन के या मॉर्फिन के इन्जेक्शन दिए जाते हो? वो केवल हंसने से ही ठीक हो गर और फिर दोनों उन्होंने वो उनको कहा जाता है कि वो लॉफिन थेरेपी या हास्य अवतार हैं और हास्य चिकित्सा के जन्क हैं दुनिया में तो लॉफिंग इस ए थेरेपी और लाकिंग टेरेपी ए चिकित्सा द्वारा हास्य हास्य द्वारा चिकित्सा उपचार के जन्क नॉर्मल कमिन्स कज़िन्स हैं और नॉर्मल कज़िन्स ने ये सिद्ध कर दिया की हम हास्य डेरा प्रसन्न हैं। खुश रहे तो हम खड़े से कई असाध्य बिमारी से भी विज्य प्राप्त कर सकते हैं। तो डॉक्टर गुप्ता की जो जीव का जो भाषण का मेन स्रोत यही था की हम प्रसंद रहे , खुद प्रसन्न रहे। दूसरों को पसंद रखें अपनी बुद्ध को अपने सोच को कभी नोशन आने दें और सकारात्मक सकारात्मक सोंची हमारी जीवन का मूल मंत्र है। इसी से हम सवस्थ सुखी समाज का निर्माण कर सकते हैं।

आखिरी दिन वहाँ ह्रदय रोग के बारे में डॉक्टर एस के गुप्ता। जो पहले पंथ में काम करते थे और उन्होंने थे। सोचा सतीश गुप्ता के हेल्ती हार्ट हैप्पी हार्ड को एक प्रोग्राम बनाया जिसमें एक अद्वति उपयोगी , अनुकूल , थ्री डी और ये डॉक्टर सतीश कुमार गुप्ता , जो वहाँ का ग्लो बस हॉस्पिटल रिसर्च सेंटर है वहाँ उन्होंने डॉक्टर ए पी ए कलान के साथ मिलकर एक ट्री डी। केयर फॉर हेल हार्ट हैप्पी नॉडल हेल्ती बॉडी विकसित किया है। इसमें प्रॉडक्ट को आत्मा , मन और शरीर तीनों उस पर ठीक किया जाता है और इसीलिए इसको थ्री डी हेला केयर लाइफ स्टाइल कहा जाता है।

अगर हमको हार्ट अटैक को बाईपास करना है तो उसके लिए जरूरी है कि हम इस तरह के कार्यक्रम में आए जिसमें कोई खयां नहीं है। शारीरिक अपनी दर से इच्छाशक्ति से आचार विचार विहार और आहार से और जीवन शैली में प्रवर्तन सवस्थ सुखी रह सकते हैं। 3 दिन की इस डॉक्टर के अधिवेशन में दिल दिमाग और शरीर और चिकित्सा के जो संबंधों के विस्तार से जानकारी दी गई और इसका हमारे शरीर के ऊपर क्या अनुकूल प्रभाव पड़ता हैं इससे हम जीतने भी डॉक्टर आर थे। उन सबको एक नई जानकारी मिली उनके ज्ञान को खुले और मैं समझता हूँ कि इस तरह के कार्यक्रम जीवन में हर डॉक्टर को कभी ना कभी अवश्य उसमें हिस्सा लेना चाहिए। जीतने भी प्रतिनिधि थे वो यहाँ से एक नई ऊर्जा, नय ज्ञान और नई पेतना लेके गए और यही पेतना , यही शान, ऊर्जा हम यहाँ अपने लोगों को दे रहे हैं। मैं तो अंत में माउंट आबू शिविर से मेरे लिए एक बड़ा प्रमुख था। मेरा ज्ञान का वर्धन ही नहीं हुआ , लेकिन मेरी आंतरिक इच्छाशक्ति आत्मबल, आत्मज्ञान, आत्मोत्कश जरूरी है।

दुनिया में भात भात के लोग
करे अनेक प्रकार के भोग
उन्हें लगे नाना प्रकार के रोग
योग और साधना भगाए सारे रोग

●

हीरो विमेंस इंडियन ओपन 2024 में शीर्ष भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी लेंगे भाग

॥ राकेश थपलियाल ॥

भारत का प्रमुख महिला गोल्फ टूनार्मेंट, हीरो विमेंस इंडियन ओपन, अपने 16वें संस्करण के लिए तैयार है।

डीएलएफ गोल्फ एंड कंट्री क्लब में 24 से 27 अक्टूबर, 2024 तक आयोजित होने वाले इस साल के टूनार्मेंट में कई स्टार खिलाड़ी भाग लेंगे, जिसमें मौजूदा लेडीज यूरोपियन टूर (एलईटी) सीजन की सात विजेता और अन्य शीर्ष अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी शामिल हैं।

2007 में स्थापित इस टूनार्मेंट की पुरस्कार राशि 400,000 अमेरिकी डॉलर है। इसमें भारतीय खिलाड़ियों की ओर से कड़ी चुनौती देखने को मिलेगी। ये खिलाड़ी 2023 के संस्करण में अपने शानदार प्रदर्शन को जारी रखना चाहेंगे, जब तीन भारतीय गोल्फर शीर्ष 10 में थे।

2024 के संस्करण में उल्लेखनीय खिलाड़ियों में तीन पूर्व चैंपियन शामिल हैं: क्रिस्टीन वुल्फ (2019), केमिली शेवेलियर (2017), और कैरोलीन हेडवाल (2011)। इसके अलावा, 2023 और 2024 के सीजन के विजेताओं के साथ-साथ भारत के शीर्ष खिलाड़ियों के भी इसमें शामिल होने की उम्मीद है।

हीरो मोटोकॉर्प के एक्सीक्यूटिव वाईस प्रेजिडेंट संजय भान ने कहा, हीरो विमेंस इंडियन ओपन न केवल भारत का प्रमुख गोल्फ टूनार्मेंट है, बल्कि लेडीज यूरोपियन टूर (LET) कैलेंडर का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। हमें हर संस्करण के साथ टूनार्मेंट की वैश्विक प्रतिष्ठा को बढ़ते हुए देखकर गर्व होता है। हीरो में, हम खेलों को बढ़ावा देने, एथलीटों को सशक्त बनाने और उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम भारत में महिला गोल्फ को बढ़ावा देने में उनके असाधारण काम के लिए भारतीय महिला गोल्फ संघ (WGAI) की सराहना करते हैं और LET के साथ अपनी दीर्घकालिक साझेदारी को जारी रखने के लिए रोमांचित हैं। हम एक और रोमांचक संस्करण का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं और सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हैं।

दक्षिण एशिया में सबसे बड़ी महिला गोल्फ प्रतियोगिता और एशिया में सबसे प्रतिष्ठित में से एक के रूप में, हीरो विमेंस इंडियन ओपन कई चैंपियनों के लिए लॉन्चपैड रहा है, जिनमें से कई LPGA सहित उच्च स्तर तक पहुँच चुके हैं। पिछले चैंपियनों की सूची में लॉरा डेविस और यानी त्सेंग, जो 2007 में उद्घाटन कार्यक्रम की विजेता थीं और बाद में विश्व नंबर 1 बनी, जैसे दिग्गज नाम शामिल हैं

भारतीय महिला गोल्फ संघ की प्रेसिडेंट श्रीमती कविता सिंह ने कहा, "भारत में महिला गोल्फ हर साल बेहतर होता जा रहा है! जबकि हमारी लड़कियाँ का विदेशों में बेहतरीन प्रदर्शन जारी हैं, उनमें से कई शीर्ष 10 में शामिल हैं और यहां तक कि पोडियम फिनिश भी दर्ज करती हैं, घरेलु गोल्फ की खबर भी उतनी ही उत्साहजनक है। इंडियन टूर लगातार बढ़ रहा है और फल-फूल रहा है, अब कई और लड़कियां इस खेल की ओर आकर्षित हो रही हैं। लड़कियों की नई पीढ़ी बेहद प्रतिभाशाली है और सफलता की भूखी है। उनके फोकस और तकनीक में सुधार स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है और यह उनके भविष्य के लिए अच्छा संकेत है क्योंकि वे अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रतिस्पर्धा करने के लिए तैयार हैं। बहुत जल्द ही हम अपने कई खिलाड़ियों को पदक जीतते हुए देखेंगे! यह सब हीरो मोटोकॉर्प लिमिटेड और डॉ. पवन मुंजाल के समर्थन के बिना संभव नहीं होता, जिन्होंने हमेशा हमें अपना भरपूर समर्थन दिया है और अनिश्चित समय में हमारे साथ खड़े रहे हैं।

हीरो महिला इंडियन ओपन 2024 में भाग लेने वाले अन्य प्रमुख नामों में इंग्लैंड की प्रतिभाशाली तिकड़ी शामिल है: एनाबेल डिमॉक (केपीएमजी महिला आयरिश ओपन चैंपियन), एलिस हीउसन (वीपी बैंक स्विस लेडीज ओपन विजेता), और एमी टेलर (लेडीज इटैलियन ओपन विजेता)। इनके साथ फील्ड में फ्रांस की पेरिन डेलाकॉर (डॉर्मी ओपन हेलसिंगबर्ग), बेल्जियम की मैनन डी रोए (इन्वेस्टेक एसए महिला ओपन चैंपियन), स्विस खिलाड़ी चियारा टैम्बुरलिनी (जोबर्ग लेडीज ओपन विजेता), और सिंगापुर की शैनन टैन, मैजिकल केन्या लेडीज ओपन चैंपियन भी शामिल हैं।

टूनार्मेंट के सोलह संस्करणों में से चौदह प्रसिद्ध डीएलएफ गोल्फ एंड कंट्री क्लब में आयोजित किए गए हैं, जो अपने प्रतिष्ठित गैरी प्लेयर द्वारा डिजाइन किए गए कोर्स पर घरेलू महिलाओं के प्रो इवेंट और पुरुषों के लिए हीरो इंडियन ओपन की भी मेजबानी करता है।

11 अलग-अलग देशों की खिलाड़ियों ने हीरो विमेंस इंडियन ओपन का खिताब जीता है, जिसमें थाईलैंड ने चार जीत हासिल की हैं। थाईलैंड की पोर्नानॉन्ग फातलुम के नाम सबसे ज्यादा जीत का रिकॉर्ड है, जिन्होंने 2008, 2009 और 2012 में तीन जीत दर्ज की थीं। किसी अन्य खिलाड़ी ने एक से ज्यादा बार टूनार्मेंट नहीं जीता है।

टूनार्मेंट के लिए दर्शकों का प्रवेश सभी दिनों में निःशुल्क रहेगा।

हॉकी इंडिया लीग में दिल्ली फ्रेंचाइजी के रूप में लॉन्च हुई एसजी पाइपर्स

॥ राकेश थपलियाल ॥

एपीएल अपोलो ग्रुप का हिस्सा एसजी स्पोर्ट्स, मीडिया और एंटरटेनमेंट (एसजीएसई) ने आने वाले हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) के लिए अपनी फ्रेंचाइजी एसजी पाइपर्स के लॉन्च की घोषणा की।

मैनेजर्स और कोचों की एक बेहतरीन टीम के साथ, यह फ्रैंचाइज एचआईएल में तहलका मचाने के लिए तैयार है, जो 2017 के बाद वापसी कर रही है।

दो बार के ओलंपिक पदक विजेता, दिग्गज भारतीय गोलकीपर पीआर श्रीजेश को फ्रैंचाइज ने हॉकी निदेशक के रूप में नियुक्त किया है, जिससे वह लीग के सबसे हाई-प्रोफाइल नामो में से एक बन गए हैं। इस भूमिका के अलावा, श्रीजेश युवा प्रतिभाओं को निखारने में मदद करने के लिए एक सलाहकार की भूमिका भी निभाएंगे।

श्रीजेश SGSE के लिए हॉकी के तकनीकी संचालन की देखरेख करेंगे और टीम को HIL के लिए एक मजबूत फ्रैंचाइज बनाने की कोशिश करेंगे।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम के पूर्व कोच ग्राहम रीड, जिनके कार्यकाल में भारत ने 2021 में टोक्यो खेलों में ओलंपिक पदक जीतकर अपने 41 साल के इंतजार को समाप्त किया, उन्हें एसजी पाइपर्स की पुरुष टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। जबकि डचमैन डेव स्मोलेनर्स को महिला टीम का मुख्य कोच बनाया गया है। स्मोलेनर्स वर्तमान में राष्ट्रीय महिला टीम के एनालिटिकल कोच के रूप में भारतीय हॉकी की सेवा कर रहे हैं। एफआईएच ग्रेड 1 कोच, स्मोलेनर्स ने नीदरलैंड की जूनियर महिला राष्ट्रीय टीम के लिए लगातार दो विश्व खिताब जीते हैं।

एसजी पाइपर्स एक सफल और स्थायी हॉकी फ्रैंचाइजी बनाने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं । हॉकी इंडिया लीग में समूह के प्रवेश पर बोलते हुए, एसजी स्पोर्ट्स, मीडिया और एंटरटेनमेंट के संस्थापक रोहन गुप्ता ने कहा, "हॉकी वास्तव में भारत का राष्ट्रीय खेल है और हॉकी से जुड़ना हमारे लिए बहुत सम्मान की बात है। भारतीय हॉकी की समृद्ध विरासत हमारी सबसे बड़ी प्रेरणा है और हम इस खेल के लिए एक मजबूत संस्कृति बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारे टीम में श्रीजेश, ग्राहम और डेव जैसे नामों के साथ, मुझे यकीन है कि फ्रैंचाइजी एचआईएल के रोमांचक सीजन में प्रभाव डालेगी।"

भारतीय हॉकी में एक महान हस्ती, हाल ही में रिटायर हुए श्रीजेश ने 2014 और 2022 में एशियाई खेलों में भारत के दोहरे स्वर्ण पदक में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, इसके अलावा वे हॉकी खिलाड़ियों की एक पीढ़ी के लिए एक प्रेरणादायक व्यक्तित्व हैं।

एसजी पाइपर्स के हॉकी निदेशक के रूप में अपनी नई भूमिका पर बोलते हुए, पीआर श्रीजेश ने कहा, "मैं हॉकी निदेशक के रूप में एसजी पाइपर्स का कार्यभार संभालने के लिए उत्साहित हूं। एक पेशेवर एथलीट के रूप में अपने रिटायरमेंट बाद, मैं देश में हॉकी खिलाड़ियों की अगली पीढ़ी को तैयार करना चाहता हूं और उस खेल को वापस देना चाहता हूं जिसने मुझे इतना कुछ दिया है। मैं कुछ प्रतिभाशाली युवाओं के साथ काम करने और एसजी पाइपर्स में एक मजबूत टीम संस्कृति बनाने में मदद करने के लिए उत्सुक हूं।"

श्रीजेश की नियुक्ति पर प्रतिक्रिया देते हुए, एसजी स्पोर्ट्स, मीडिया और एंटरटेनमेंट के सीईओ महेश भूपति ने कहा, "श्रीजेश एक प्रेरणा स्त्रोत हैं और दो बार के ओलंपिक पदक विजेता हैं। वह जानते हैं कि जीतने के लिए क्या करना पड़ता है, उनके पास साथियों का सम्मान है और एसजी यात्रा का हिस्सा बनने के लिए वे उत्साहित हैं। जब देश में हॉकी की बात आती है तो वह मुख्य नामों में से हैं और हम बहुत भाग्यशाली महसूस करते हैं कि उन्होंने हमारी दृष्टि को अपनाया और वह हमारी टीम में हैं।

मुंबई ने 15वीं बार जीता ईरानी कप

॥ पुलकित चतुर्वेदी ॥

मुंबई ने रेस्ट ऑफ इंडिया के खिलाफ 15वीं बार ईरानी कप जीतकर अपनी विरासत में एक और ऐतिहासिक अध्याय जोड़ दिया। अजिंक्य रहाणे की टीम ने रेस्ट ऑफ इंडिया पर पहली पारी की बढ़त के आधार पर खिताब हासिल किया, जिससे एक ही सीजन में रणजी ट्रॉफी-ईरानी कप की रिकॉर्ड दोहरी जीत पूरी हुई।

यह मुकाबला रोमांचक रहा जहां रनों का अंबार लगा। मुंबई की जीत पांच दिवसीय मुकाबले के आखिरी दिन तय हुई, जहां तनुष कोटियन का दूसरी पारी में लगाया गया दूसरा प्रथम श्रेणी शतक निर्णायक साबित हुआ।

पहली पारी में 537 रन बनाने के बाद 121 रन की बढ़त के बावजूद, मुंबई की टीम 8 विकेट पर 171 रन बनाकर मुश्किल स्थिति में थी, जिसमें ऑफ स्पिनर सारांश जैन ने पूरी टीम को तहस-नहस कर दिया।

पृथ्वी शॉ ने 76 रनों की ठोस पारी खेलकर शुरूआत में मुंबई को मैच में बनाए रखा लेकिन टीम के स्टार बल्लेबाजी क्रम, जिसमें अजिंक्य रहाणे (9), श्रेयस अय्यर (8), सरफराज खान (17) और हार्दिक तमोर (7) शामिल थे, अच्छी शुरूआत को भुनाने में विफल रहे।

हालांकि, निचले क्रम के बल्लेबाज के रूप में आए कोटियन ने अपने धैर्य और संयम का परिचय दिया, मोहित अवस्थी के साथ मिलकर नौवें विकेट के लिए 158 रनों की शानदार साझेदारी की, जिसने मुंबई की स्थिति को संभाल लिया। कोटियन के नाबाद 114 रन और अवस्थी के अर्धशतक की बदौलत मुंबई ने अपनी बढ़त को 450 रनों तक बढ़ाया। दूसरे सत्र के अंत में अवस्थी के अर्धशतक के बाद, दोनों टीमों ने हाथ मिलाया और मैच ड्रॉ होने की पुष्टि की, जिसके बाद मुंबई को पहली पारी में बढ़त के आधार पर ईरानी कप का खिताब मिला।

नोएडा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी ने संपन्न की एनआईयू ट्रॉफी चैलेंज 2024

नोएडा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी (एनआईयू) ने अपने वार्षिक एनआईयू ट्रॉफी चैलेंज को सफलतापूर्वक संपन्न किया।

यह तीन दिवसीय खेल आयोजित किए गए जिसमें दिल्ली एनसीआर के 18 विश्वविद्यालयों ने भाग लिया। इन सभी विश्वविद्यालयों ने 4 राउंड (राउंड-1, राउंड-2, क्वार्टर फाइनल, सेमी फाइनल और फाइनल) में कड़ी प्रतिस्पर्धा की, ताकि प्रतिष्ठित एनआईयू ट्रॉफी चैलेंज पर कब्जा कर सकें।

उद्घाटन समारोह में उत्तर प्रदेश क्रिकेट टीम के पूर्व क्रिकेटर और हर्ष पेस फाउंडेशन के संस्थापक हर्षवर्धन सिंह ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम में उपस्थित रहे इसके साथ ही नोएडा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति डॉ. विक्रम सिंह, कुलपति प्रो. (डॉ.) उमा भारद्वाज और रजिस्ट्रार डॉ. मुकेश पराशर भी इस अवसर पर उपस्थिति रहे और प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया।

एनआईयू ट्रॉफी चैलेंज के प्रायोजक थे। सेकंड चांस फिजियोथेरेपी क्लिनिक , यू एंड आई इन्वेस्टर्स , थ्राइव टुगेदर , रेवोग , जीएम स्पोर्ट्स

रोमांचक फाइनल मुकाबले में एनआईयू वॉरियर्स ने एकेजीईसी गाजियाबाद के खिलाफ जोरदार खेल दिखाया। एनआईयू वॉरियर्स ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया और एक प्रतिस्पर्धात्मक लक्ष्य रखा। बेहतरीन प्रदर्शन के साथ, एनआईयू वॉरियर्स ने 40 रनों से मुकाबला जीत लिया और ट्रॉफी अपने नाम की।

इस मैच के मैन ऑफ द मैच तुषार रहे, जिन्होंने 35 रन बनाकर टीम की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

जान्हवी कपूर के सिजलिंग लुक्स के हुए दीवाने

एक्ट्रेस जान्हवी कपूर अपनी सोशल मीडिया पर हमेशा एक्टिव रहती है और सोशल मीडिया ट्रोल होती रहती हैं, वजह है उनका हॉट लुक और बोल्ड फोटोशूट। जान्हवी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर नए बोल्ड तस्वीरें शेयर की हैं। जान्हवी कपूर अलग-अलग की तरह की ड्रेस पहनकर फोटोशुट करती रहती है। इस बार जान्हवी की तस्वीरों देख से फैंस हुए दीवाने। दरअसल, जान्हवी कपूर ने क्रीम कलर की ड्रेस पहनकर अपने कई फोटोज को शेयर किया है। उनकी वो सिजलिंग लुक्स को खूब पसंद किया जा रहा है।

जान्हवी कपूर ने एक बार फिर अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपने लेटेस्ट पिक्चर्स शेयर किए हैं। जान्हवी कपूर के ये पिक्चर्स लोगों को खूब पंसद आ रहे हैं और लोग इन पर रिएक्शन दे रहे हैं। अपनी हॉट अदाओं से वो फैंस को अपना दीवाना बना रही हैं।

जान्हवी कपूर

अलाया एफ

अलाया एफ को डिटॉक्स फूड बहुत पसंद है

बॉलीवुड अभिनेत्री अलाया एफ ने सोशल मीडिया पर जो तस्वीरें शेयर की हैं, उनसे ऐसा लगता है कि वह फिलहाल डिटॉक्स डाइट पर हैं।

इंस्टाग्राम पर अलाया के 1.9 मिलियन फॉलोअर्स हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरीज में दो फोटो शेयर की हैं। दोनों तस्वीरों में खाने की अलग-अलग डिश देखने को मिल रही है।

यह 2020 की बात है, जब पूर्व अभिनेत्री पूजा बेदी की बेटी अलाया ने पारिवारिक कॉमेडी-ड्रामा फिल्म "जवानी जानेमन" से अपनी शुरूआत की, जिसमें उन्होंने एक 21 वर्षीय लड़की की भूमिका निभाई, जो 40 वर्षीय व्यक्ति को अपना पिता बताती है, जिसे शादी से नफरत है।

इसके बाद उन्हें पहली बार कार्तिक आर्यन के साथ 2022 की फिल्म "फ्रेडी" में देखा गया था। जिसमें उन्होंने एक ऐसी महिला का किरदार निभाया था। जिसमें उनका पति उनके साथ मारपीट करता है। हालांकि, कहानी में नया मोड़ आता है, जब वह कार्तिन आर्यन को अपने प्रेम में फंसाकर अपने पति की हत्या करवा देती है। 2023 में, वह करण मेहता के साथ "ऑलमोस्ट प्यार विद डीजे मोहब्बत" में थीं। इसके बाद उन्होंने अक्षय कुमार, टाइगर श्रॉफ, मानुषी छिल्लर और सोनाक्षी सिन्हा अभिनीत "बड़े मियां छोटे मियां" जैसी फिल्मों में काम किया।

अलाया, राजकुमार राव के साथ "श्रीकांत" में शामिल थी। इस महीने की शुरूआत में उन्हें अभिनेता बाबिल खान के साथ एयरपोर्ट पर देखा गया था, जिससे उनके संभावित नए प्रोजेक्ट या उनके बीच रिश्ते के बारे में अटकलें लगाई जा रही थीं।

वीडियो में अलाया ने काले रंग का स्लीवलेस टॉप पहना हुआ था और इसे मैचिंग जींस के साथ पेयर किया था। दोनों ने कैमरे के सामने अपनी मुस्कान बिखेरी। दिवंगत स्टार इरफान खान के बेटे बाबिल को आखिरी बार वेब सीरीज 'द रेलवे मेन : द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ भोपाल 1984' में देखा गया था। इसमें आर माधवन, केके मेनन और दिव्येंदु भी हैं। बाबिल 'कला' और 'फ्राइडे नाइट प्लान' जैसी परियोजनाओं का भी हिस्सा रहे हैं। वह अगली बार 'द उमेश क्रॉनिकल्स' में नजर आएंगे।

● डॉ. अशोक चतुर्वेदी, दुबई

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **विजयशंकर चतुर्वेदी** द्वारा ए.जी.एस. पब्लिकेशन एफ-23 सेक्टर-6 नोएडा (यू.पी.) से मुद्रित एवं एच-42, लक्ष्मीनगर, दिल्ली-110092 से प्रकाशित
संपादक : **विजयशंकर चतुर्वेदी**, दूरभाष नं. 011-49038655, 011-49073192 मो. 9811063789, 9211152380 (डीएवीपी एवं दिल्ली सरकार से विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त)
प्रकाशन: प्रत्येक सप्ताह रविवार **पोस्टिंग:** प्रत्येक सप्ताह मंगलवार एवं बुधवार E-mail: rashtratimesnewspaper@gmail.com, www.rashtratimes.com rashtratimes